राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक अख़बार

क्राइम रिव्यू

साहस सच लिखने का

मकर संक्रांति की बधाई और शुभकामनाएं।

UPHIN/2014/67765

वर्ष : 07 अंक 30 पृष्ठ : 8 मूल्य 2 रुपये

लखनऊ, गुरुवार 14 जनवरी, 2021

www.crimereview.co.in

www.facebook.com/hemant4u4life

@hemant4u4life

पावर, पॉलिटिक्स और पुलिस की तिकड़ी 2

पति की हत्या करने के बाद भी रखा व्रत 3

अरबों खर्च के बावजूद निर्मल नहीं हुई गंगा 4

तो क्या बर्ड फ्लू भी लाए हैं मेहमान पक्षी 5

गोरखपुर महोत्सव में सीएम योगी ने किया विपक्ष पर प्रहार, कहा-

देश में बहुत जानवर खुले घूम रहे, जिनकी जगह चिड़ियाघर

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार गोरखपुर के विकास के प्रति गंभीर है। गोरखपुर महोत्सव के समापन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कटाक्ष करते हुए कहा कि देश में बहुत से जानवर खुले घूम रहे हैं जिनकी जगह चिड़ियाघर है। स्पष्ट तौर पर उनका निशाना विपक्षी नेताओं पर था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को गोरखपुर महोत्सव का समापन किया। इस मौके पर उन्होंने गोरखपुर के चिड़ियाघर को दर्शकों के लिए जल्द खोलने की बात कही। उन्होंने कहा कि अगर इतनी ठंड न पड़ रही होती, तो कुछ जानवर भी ले आए होते। इस दौरान उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि देश में बहुत से जानवर खुले घूम रहे हैं जिनकी जगह चिड़ियाघर है।

सीएम योगी ने कहा कि हमारी योजना है कि जल्द ही गोरखपुर के रामगढ़ ताल में सी-प्लेन उतरे, जिससे लोगों को और सहूलियत हो. इस साल खाद कारखाना धुआं उगलता दिखाई देगा। जब तक सड़कों के चौड़ीकरण की हिम्मत हम नही दिखाएंगे तब तक जाम की समस्या से जूझना पड़ेगा। बहुत जल्द कुशीनगर से इंटरनेशनल फ्लाइट शुरू होगी। उन्होंने कहा कि 16 जनवरी से देश में कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में अंतिम प्रहार शुरू होने जा रहा है. किसी आपदा से कैसे लड़ा जाना चाहिए, यह पिछले साल के 80 फीसदी हिस्से में हमने देखा। सरकार ने संयम और सब्र का परिचय देते हुए बड़ा काम किया है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को मकर संक्रांति की बधाई देते हुए कहा कि महोत्सव को लेकर कुछ लोग नहीं, तो कुछ मनाने के पक्ष में थे। इस तरह का महोत्सव दो दिन का ही हो, पर होना चाहिए. वर्ष 2008-09 में हमने गोरखपुर में टेक्सटाइल पार्क की स्वीकृति कराई थी पर वो बन नही पाया। अब स्वदेशी आंदोलन के जरिए खादी को आगे बढ़ाया जा सकता है। मैं स्वयं खिचड़ी की तैयारी पर्व के लिए आया हूं। कल (गुरुवार) खिचड़ी पर हम 10 रुपए का एक डाक टिकट और प्रदेश सरकार की डिजिटल डायरी लॉन्च करेंगे।

गोरखपुर महोत्सव के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने एवं मकर संक्रांति के अवसर पर गोरक्षपीठाधीश्वर की परंपरा का निर्वहन करने के लिए सीएम योगी गोरखपुर पहुंच गए हैं। उन्होंने बुधवार को सुबह जनकल्याण के लिए अपने आवास में रुद्राभिषेक किया।

सीएम ने फहराया यूपी का सबसे ऊंचा तिरंगा

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज गोरखपुर में उत्तर प्रदेश का सबसे ऊंचा तिरंगा फहराया। यह तिरंगा रामगढ़ ताल में लगाया गया है, जिसकी ऊंचाई 246 फीट है। यह गाजियाबाद के मुखर्जी पार्क में लगे तिरंगे (211 फीट) से 35 फीट ऊंचा है। इसे 15 किमी दूर से देखा जा सकेगा।

ऊंचाई के लिहाज से यह देश का सातवां सबसे ऊंचा तिरंगा है। देश का सबसे ऊंचा तिरंगा झंडा कर्नाटक के बेलगाम में स्थित है। इसकी ऊंचाई 360.8 फीट है।

2022 में सपा सरकार बनाने की भरी हुंकार

अखिलेश यादव से मिले महान दल के नेता

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। सपा अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से बुधवार को महान दल के नेताओं समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं, प्रोफेसरों, डाक्टरों व अन्य प्रतिनिधियों ने भेंट की। उन्होंने 2022 सपा की सरकार बनने की उम्मीद जताई। इस दौरान महान दल ने नारा दिया 'महान दल ने ठाना है, समाजवादी पार्टी की सरकार बनाना है।महान दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष केशव देव मौर्य के साथ शिवकुमार यादव, रामानंद सैनी, ब्रजमोहन कुशवाहा, सर्वेश शाक्य तथा बदन सिंह सैनी समेत प्रमुख नेताओं, कार्यकर्ताओं ने सपा मुख्यालय में अखिलेश यादव से मुलाकात की। केशव देव ने कहा कि जबसे भाजपा सत्ता में आई है, पिछड़ों, दलितों व समाज के कमजोर वर्गों के साथ भेदभाव तथा उपेक्षा बढ़ गई है। भाजपा का इरादा आरक्षण खत्म करने का है। किसानों को धोखा दिया गया है और उनके आंदोलन को बदनाम किया जा रहा है।जातीय जनगणना की मांग

अखिलेश यादव के साथ बैठक में मांग की गई कि जनगणना में जातीय गणना भी कराई जाए ताकि किसी भी समाज की संख्या के आधार पर उनकी विभिन्न क्षेत्रों में भागीदारी निश्चित की जा सके। कहा गया कि सामाजिक न्याय के प्रति भाजपा नेतृत्व में उदासीनता है। भाजपा रागद्वेष की राजनीति और समाज को बांटने का काम करती है।

विधान परिषद चुनाव के लिए दो प्रत्याशी घोषित

समाजवादी पार्टी (सपा) ने बुधवार को अपने दो उम्मीदवारों के नामों के ऐलान के साथ उत्तर प्रदेश राज्य विधान परिषद चुनाव को दिलचस्प बना दिया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने बताया कि पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने विधान परिषद चुनाव के लिये अहमद हसन और राजेन्द्र चौधरी को उम्मीदवार घोषित किया है।

बता दें विधान परिषद की 12 सीटों के लिये 28 जनवरी को मतदान होना है जिसकी नामांकन प्रक्रिया 11 जनवरी को शुरू हो चुकी है। नामांकन की आखिरी तारीख 18 जनवरी नियत की गयी है जबकि 19 तारीख को नामांकन पत्रों की जांच की जायेगी। नाम वापसी की अंतिम तिथि 21 जनवरी है जबकि मतदान 28 जनवरी को सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक सम्पन्न होगा। मतों की गिनती उसी दिन होगी और सभी परिणाम घोषित कर दिये जायेंगे विधान परिषद के 12 सदस्यों का कार्यकाल 30 जनवरी को समाप्त हो रहा है। इन सदस्यों में सूबे के उप मुख्यमंत्री डा दिनेश शर्मा, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव और समाजवादी पार्टी (सपा) के अहमद हसन के अलावा, आशू मलिक,धर्मवीर सिंह अशोक,प्रदीप कुमार जाटव,रमेश यादव,रामजतन, लक्ष्मण प्रसाद आचार्य, वीरेन्द्र सिंह,,साहब सिंह सैनी शामिल है। इनके अलावा नसीमुद्दीन सिद्दीकी के कांग्रेस में जाने से उनकी सदस्यता दलबदल कानून के तहत पहले ही खत्म कर दी गई थी ।

जमीन से कब्जा हटवाने के कानूनगो ने मांगी रिश्वत

क्राइम रिव्यू

कुशीनगर। कुशीनगर के डीएम एस राज लिंगम के पास अवैध कब्जा हटाने के लिए एक कानूनगो द्वारा रिश्वत मांगे जाने की शिकायत पहुंची तो डीएम ने सीधे कानूनगो को फोन मिला दिया. तमकुहीराज क्षेत्र के इस कानूनगो को डीएम ने फोन पर शिकायतकर्ता की बात सुनाते हुए कहा कि अवैध कब्जा दो दिन में हट जाना चाहिए. इसके लिए जो तुमने 25 हजार रुपये मांगे हैं, वह आकर मुझसे ले जाना। डीएम की यह बात सुनते ही कानूनगो साहब के माथे पर ठंड के मौसम में भी पसीना आ गया।

फोन पर वह डीएम से अपनी सफाई में कुछ न कह सके. अपनी बात कहने के बाद डीएम ने फोन काट दिया, लेकिन दूसरी तरफ कानूनगो साहब तुरंत हरकत में आ गए और

जनता दरबार में लोगों को शिकायत सुनते कुशीनगर के डीएम एस राज लिंगम।

उन्होंने तुरंत टीम गठित करके 15 तारीख तक कब्जा हटाने का प्लान बना लिया।

डीएम एस राज लिंगम अपने दफ्तर में जनता दर्शन में बैठे थे. उनके पास तमकुही राज तहसील के गुरवलिया निवासी रामायन कुशवाहा पहुंचे और बताया कि उनकी जमीन पर कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर रखा है. तहसील प्रशासन से कई बार गुहार लगाने के बाद भी कब्जा नहीं हटा है. कानूनगो से मिलने पर उन्होंने पांच लोगों की टीम के लिए 25 हजार रुपये की मांग की है। डीएम ने उसकी बातें सुनने के बाद कहा कि तुम घूस लेते समय उसे पकड़वा दो. मैं तुम्हारी मदद करूंगा, लेकिन शिकायतकर्ता ने मना कर दिया. इसके बाद डीएम ने कानूनगो को फोन लगाकर पूछा कि कब्जा हटाने के नाम पर पैसे मांगते हो।

डीएम ने आदेश दिया कि दो दिन में कब्जा हट जाना चाहिए. अगर पैसे चाहिए तो आकर मुझसे ले जाना। इसके कुछ देर बाद एसडीएम ने टीम 15 जनवरी को मौके पर पहुंचकर अवैध कब्जा हटाने का निर्देश जारी कर दिया। इस संबंध में कानूनगो मार्कंडेय मणि का कहना है कि 30 दिसंबर तक कोरोना काल के कारण हाईकोर्ट के आदेश पर कार्रवाई स्थगित थी। अब 15 जनवरी को हर हाल में कब्जा हटा दिया जाएगा।

अयोध्या ढांचा विध्वंस मामले में याचिका पर सुनवाई दो हफ्ते बाद

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने अयोध्या के विवादित ढांचा ध्वंस मामले में दायर पुनरीक्षण याचिका पर अगली सुनवाई दो हफ्ते बाद नियत की है। बुधवार को सुनवाई के दौरान याचिका में कुछ दस्तावेजी त्रुटि होने के कारण न्यायमूर्ति राकेश श्रीवास्तव ने मामले को दो सप्ताह बाद सूचीबद्ध करने का आदेश दिया है। साथ ही याचियों के अधिवक्ता को दस्तावेजी त्रुटि दूर करने को कहा है। अयोध्या निवासी हाजी महबूब अहमद और सैयद अखलाक अहमद की ओर से दाखिल पुनरीक्षण याचिका में इस मामले के सभी 32 अभियुक्तों को बरी करने के विशेष अदालत के 30 सितम्बर 2020 के फैसले को चुनौती दी गई है। याचिका में कहा गया कि याचीगण इस मामले में गवाह थे, साथ ही वे 6 दिसम्बर 1992 को हुई विवादित ढांचा विध्वंस की घटना के पी?त भी हैं। उन्होंने विशेष अदालत के समक्ष प्रार्थना पत्र दाखिल कर खुद को सुने जाने की मांग भी की थी लेकिन विशेष अदालत ने उनके प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया। याचियों का यह भी कहना है कि अभियुक्तों को बरी करने के फैसले के विरुद्ध सीबीआई ने आज तक कोई अपील दाखिल नहीं की है लिहाजा याचियों को वर्तमान पुनरीक्षण याचिका दाखिल करनी प?ी है। याचिका में सभी 32 अभियुक्तों को केस में दोषी करार देकर उचित सजा सुनाए जाने का आग्रह किया गया है।

मालूम हो कि 30 सितम्बर 2020 को सीबीआई के विशेष जज एसके यादव ने लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, कल्याण सिंह, उमा भारती, साक्षी महाराज, लल्लू सिंह, बृजभूषण शरण सिंह व महंत नृत्यगोपाल दास समेत सभी जीवित 32 अभियुक्तों को बरी कर दिया था।

छह दिसंबर, 1992 को अयोध्या में विवादित ढांचा ढहाए जाने के आपराधिक मामले में 28 साल बाद 30 सितम?बर 2020 को जज सुरेंद्र कुमार यादव की विशेष अदालत ने अपना फैसला सुनाया। जज ने फैसला पढ़ते हुए कहा था कि यह विध्वंस पूर्व नियोजित नहीं था बल्कि आकस्मिक घटना थी। विशेष अदालत ने लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, उमा भारती और कल्याण सिंह समेत सभी 32 आरोपियों को बरी कर दिया था।

इस मामले में 49 लोगों को अभियुक्त बनाया गया था। इसमें से 17 की मौत हो चुकी है। सीबीआई व अभियुक्तों के वकीलों ने करीब आठ सौ पन्ने की लिखित बहस दाखिल की थी। इससे पहले सीबीआई ने 351 गवाह व करीब 600 से अधिक दस्तावेजी साक्ष्य पेश किए थे।

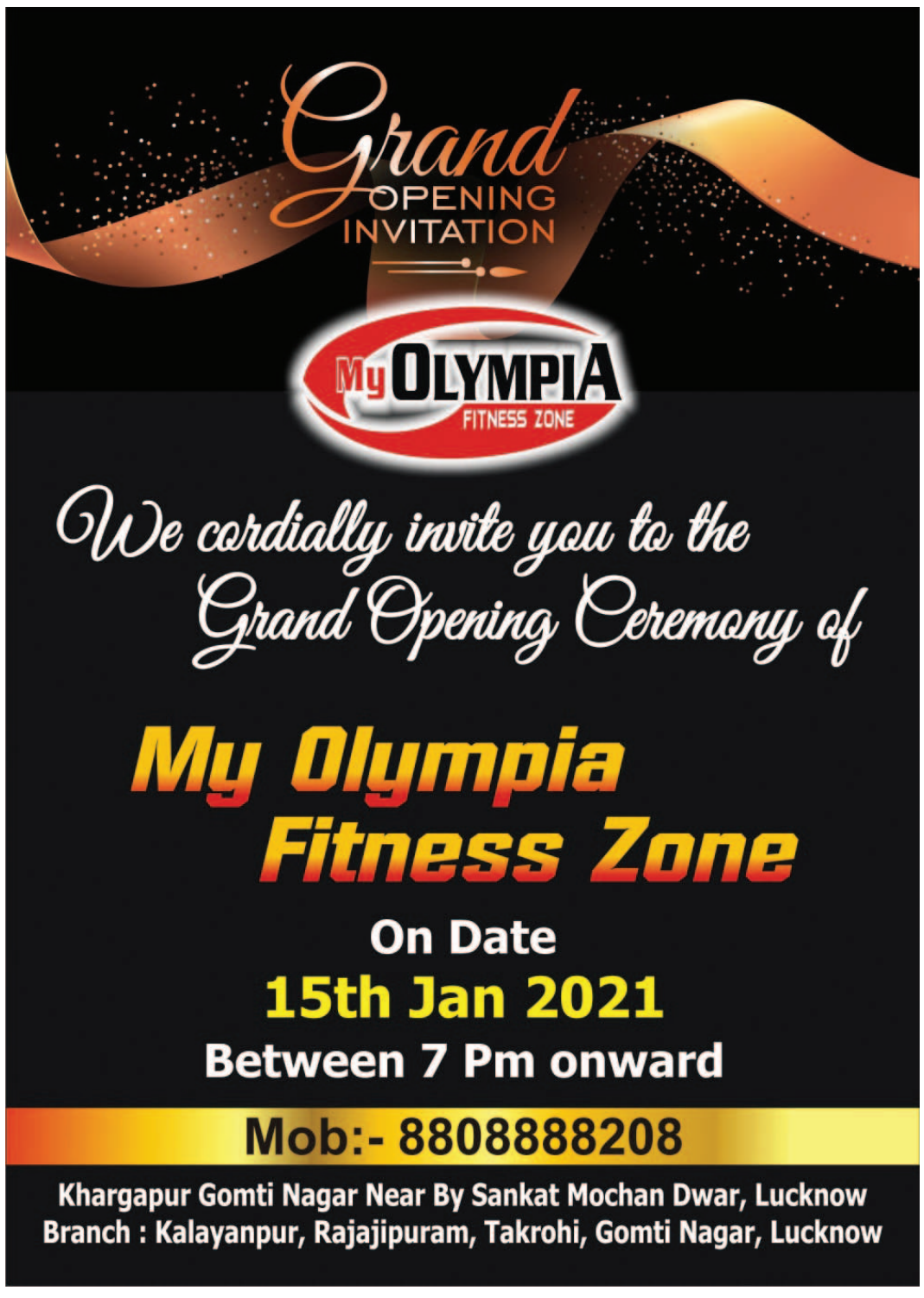

जब तक मुझे खुद लगता है की किया गया काम सही काम है तब तक मुझे संतुष्टि रहती है।
–पं. जवाहर लाल नेहरू

पावर, पॉलिटिक्स और पुलिस की तिकड़ी बनी कठौता गैंगवार

वारदात

- पूर्वांचल के बाहुबली पूर्व सांसद के खिलाफ भी कार्रवाई की तैयारी शुरू
- राजनीतिक गलियारे में तेज हुई बचाने की हलचल, कई सिफारिश करने में भी जुटे

क्राइम रिव्यू विवेक पाण्डेय

लखनऊ। राजधानी के विभूतिखंड थानाक्षेत्र के कठौता चौराहे पर 6 जनवरी की रात 8.30 बजे हुए गैंगवार की पृष्ठभूमि तैयार करने में ट्रिपल 'पी' की भूमिका महत्वपूर्ण रही। इसमें पॉवर, पॉलिटिक्स और पुलिस का गठजोड़ सामने आया है। इस गैंगवार की फिल्मी स्क्रिप्ट पूर्वांचल के बाहुबली पूर्व सांसद ने लिखी थी। जिसमें राजधानी के कुछ पुलिस अधिकारियों की भी भूमिका रही है। उनकी सहमति मिलने के बाद इस कहानी को अमली जामा पहनाया गया। यह बात लखनऊ कमिश्नरेट के उच्चाधिकारियों को भी पता लग गई है। अब इस मामले में पूर्वांचल के बाहुबली सांसद के खिलाफ कार्यवाही की भी तैयारी शुरू हो गई है। हालांकि इस बाहुबली को बचाने केलिए कई सफेदपोश लोगों ने पैरवी भी शुरू कर दी है। यहां तक की राजनीतिक गलियारे में मोहरे बिछाये जाने की भी चर्चा तेज हो गई है।

पूर्वांचल के वाराणसी, मऊ, गाजीपुर, आजमगढ़, जौनपुर, सोनभद्र, मिर्जापुर, भदोही और चंदौली में अपनी सत्ता स्थापित करने के लिए दो गुटों के बीच करीब ढाई दशकों से द्वंद्व चल रहा है। इसमें कई नेता और माफियाओं की हत्याएं हो चुकी है। कुछ जेल से तो कुछ बाहर अपनी सत्ता स्थापित करने के लिए गोटियां बिछाने में जुटे हैं। इसी कड़ी में ही विभूतिखंड थानाक्षेत्र के कठौता चौराहे पर 6 जनवरी को गैंगवार की वारदात को अंजाम दिया गया। जिसमें मऊ के मुहम्मदाबाद गोहना के पूर्व ज्येष्ठ ब्लॉक प्रमुख अजीत सिंह की गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई। इसमें उनका करीबी मोहर सिंह और एक राहगीर आकाश भी घायल हुआ। पुलिस ने इस मामले में दो मददगारों को लखनऊ और उज्जैन से गिरफ्तार किया है। वहीं वारदात में प्रयुक्त दो कार व दो बाइक भी बरामद की है। वहीं इस वारदात में नामजद शूटर गिरधारी उर्फ डॉक्टर को सोमवार देर शाम को दिल्ली पुलिस ने 9एमएम पिस्तौल के साथ गिरफ्तार कर लिया। उसकी गिरफ्तारी भी काफी फिल्मी अंदाज में हुई। वह दिल्ली उत्तरी के शाहबाद के पास डेयरी के पास मौजूद था। वहां पहुंची दिल्ली पुलिस की टीम ने आसानी से दबोच लिया। जबकि उत्तर प्रदेश के कई जिलों और एसटीएफ के चुनौती बने गिरधारी को पकड़ना इतना आसान नहीं था। सूत्रों की माने तो इसमें भी पूर्वांचल के बाहुबली पूर्व सांसद और प्रदेश के एक बड़े पुलिस अधिकारी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सारे पांसे पिटे तो रची गई गिरफ्तारी की कहानी

जब इस गैंगवार को दूसरी दिशा में भेजने की पूरी योजना फेल हो गई। इसके लिए फेंके गये सारे पांसे पिट गये। तो गिरधारी की गिरफ्तारी की कहानी लिखी गई। आनन-फानन में लखनऊ सिविल कोर्ट में उसके आत्मसमर्पण की याचिका दायर की गई। ताकि लखनऊ पुलिस उसे यहीं तलाशने में उलझ जाए। इसी बीच राजधानी के पुलिस महकमें के एक बड़े अधिकारी के इशारे पर दिल्ली में गिरधारी को गिरफ्तार करने का नाटकीय खेल खेला गया। जब तक लखनऊ पुलिस कुछ समझ पाती और गिरधारी के बारे में सुराग हासिल करती। उसके पहले ही शाम को उसकी दिल्ली में गिरफ्तार करने की सूचना आ गई। फिलहाल अब पुलिस गिरधारी को रिमांड पर लाने की तैयारी कर रही है। उससे लंबी पूछताछ के बाद सभी किरदारों के चेहरे बेनकाब करने की तैयारी पूरी कर ली गई है।

गैंगवार के पहले एक अधिकारी से मिले थे बाहुबली सांसद

सूत्रों की माने तो पूर्वांचल के बाहुबली पूर्व सांसद ने ही इस गैंगवार की कहानी लिखी थी। इसे सही अंजाम तक पहुंचाने के लिए पूर्वांचल से अपनी साम्राज्य खो चुके इस पूर्व सांसद ने राजधानी के एक अधिकारी से संपर्क किया। उससे पूरी कहानी बताई। इसके लिए वह उनसे मिलने के लिए उनके कार्यालय भी गया था। जहां इस गैंगवार की पूरी कहानी पर चर्चा हुई। इसके बाद उनकी सहमति बनने के बाद 24 घंटे के अंदर ही वारदात को अंजाम दे दिया गया है। इसके बाद गैंगवार में घायल शूटर का इलाज भी इसी सांसद ने अपने करीबी चिकित्सकों के माध्यम से कराया। इसमें केजीएमयू का चिकित्सक भी शामिल है। उसने जब स्थिति नाजुक बताई तो उसे करीबी निजी अस्पताल के मालिक डॉ. एके सिंह के पास सुल्तानपुर भेजा गया। जहां पर फर्जी नाम व पते से उसका दाखिला कराया गया। चोट को गोली का न बताकर सरिया से लगना दर्ज कराया गया था। पुलिस ने निजी अस्पताल के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज अपने कब्जे में ले लिया है। वहीं दोनों चिकित्सक पुलिस की हिरासत में भी है।

गैंगवार की जगह का भी चयन समझकर किया

गैंगवार की जगह का भी चयन काफी सोच समझकर किया गया था। अजीत गोमतीनगर विस्तार के राशी अपार्टमेंट में रहता था। उसका सुराग लगाने का काम प्रदीप कबूतरा को दिया गया था। उसने पूरी जानकारी हासिल करने के बाद पूर्व सांसद को दी। उसने कई दिनों तक शूटरों से रेकी कराया। ताकि उसके हर मूवमेंट की जानकारी हो सके। इसके बाद वारदात को अंजाम देने के लिए विस्तार थानाक्षेत्र का ही इलाका चुना जा रहा था। फिर इसे बदलकर गोमतीनगर के सुनसान चौराहे दयाल पैराडाइज को चुना गया। वारदात वाली रात को अजीत व उसके साथी गोमतीनगर विस्तार से निकलकर दयाल पैराडाइज चौराहे पर गये। इसके बाद अचानक से कठौता जाने की योजना बन गई। इस मूवमेंट की जानकारी होने पर पुलिस ने अजीत के साथी मोहर सिंह और एसयूवी में बैठी युवती पर संदेह भी जाहिर किया है। उनसे कई बार पूछताछ भी की जा चुकी है। कठौता चौराहा भले ही भीड़भाड़ वाला था। लेकिन पुलिस की रात 8 बजे बैठक की जानकारी साजिशकर्ताओं को दी। जिसके कारण काफी सुरक्षित हो गया था।

चंद घंटों में ही बरामद हो गई थी खून लगी बाइक

पुलिस को वारदात के बाद महज चंद घंटों में खून से सनी दो बाइक भी मिल गई। लेकिन वारदात को अंजाम किसने दिया इस पर संदेह बरकरा रहा। वहीं दूसरे दिन पुलिस ने एक लाल डस्टर कार के बारे में भी पता लगा लिया। इसे वारदात स्थल से महज आधा किलोमीटर की दूरी पर एक अपार्टमेंट से बरामद किया गया। लेकिन इतने बड़े वारदात के बाद भी पुलिस तत्काल सक्रिय नहीं हुई थी। लेकिन कुछ अधिकारियों ने सीसीटीवी फुटेज भी देख लिया और कार की भी लोकेशन मिल गई।

वहीं पुलिस सूत्रों ने दावा किया कि वारदात में जैसे ही पूर्वांचल के बाहुबली पूर्व सांसद का नाम सामने आया। उसे बचाने के लिए भी लोग राजनीतिक गलियारे में सक्रिय हो गये। हालांकि उनकी पैरवी काम नहीं आई। वहीं कुछ सफेदपोश कमिश्नरेट के बड़े अधिकारियों से संपर्क किया। उनको 13 जनवरी को कमिश्नरेट की वर्षगांठ मनाने का ऑफर दिया। लेकिल अधिकारियों ने इस ऑफर को ठुकरा दिया। इसकी जानकारी पुलिस कमिश्नर को भी हुई। तो कमिश्नरेट के अधिकारियों ने सिर्फ गिरधारी की ही डिमांड रखी। जो पूर्व सांसद के पैरवीकारों को असहज कर दिया। वहीं पुलिस अधिकारियों ने चेतावनी दी कि अगर गिरधारी नहीं मिलता है तो पूर्वांचल के इस बाहुबली की भूमिका भी सार्वजनिक कर दी जाएगी। हालांकि इस काम के लिए पुलिस ने अपने साक्ष्य जुटाने भी शुरू कर दिये हैं। पुलिस के अधिकारियों की माने तो जल्द ही इस वारदात में जो भी शामिल होगा। चाहे व साजिश रचने में हो या मदद करने में सभी के नाम सामने आएंगे। इस वारदात की एक-एक मूवमेंट की जानकारी मुख्यमंत्री को दी जा रही है। वहां ही सभी के चेहरे बेनकाब करने का निर्देश है।

मूलभूत सुविधाएं न होने से नाराज ग्रामीणों ने किया जोरदार प्रदर्शन

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। जानकीपुरम वार्ड प्रथम के गडरियन पुरवा में सड़क, जलनिकासी जैसी मूलभूत सुविधाओं न होने नाराज ग्रामीणों ने मंगलवार को जोरदार प्रदर्शन किया। ग्रामवासियों का आरोप है कि समस्या को दूर करने के लिए क्षेत्रीय विधायक व पार्षद से कई बार अनुरोध किया गया, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

प्रदर्शन में शामिल बीएन पाठक ने कहा कि 2011 से यहां के निवासी हाउस टैक्स दे रहे हैं। इसके बावजूद यहाँ के लोग सीवर, सड़क व बिजली जैसी समस्याओं का सामना करने को मजबूर हैं। नहर रोड से गांव को जाने वाला मुख्य मार्ग भी बदहाल है। जलनिकासी के लिए नालियां नहीं है। घरों का गंदा पानी सड़कों पर बहता है। बारिश के मौसम में जलभराव हो जाता है। कच्ची व उबड़ खाबड़ सड़क पर चलने पर बुजुर्ग, बच्चे व महिलाएं गिर कर चोटिल भी होते हैं। व्यापारी नेता विनोद सिंह ने कहा कि व्यापार मंडल के माध्यम से ग्रामवासियों द्वारा हस्ताक्षरित पत्र विधायक नीरज बोरा को दिया गया। क्षेत्रीय पार्षद शीबा चांद सिद्दीकी को कई प्रार्थना पत्र देकर समस्या को दूर करने का अनुरोध किया गया। लेकिन समस्या जस की तश बनी हुई है। ग्रामीणों ने नगर निगम के अधिकारियों से पूछा कि क्या नगर निगम केवल टैक्स वसूलने के लिए ही बना है, उसकी कोई नैतिक जिम्मेवारी नहीं है कि टैक्स पेअर को सुविधाएं उपलब्ध कराने की नैतिक जिम्मेदारी नहीं है। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

जनसमस्या

- ानकीपुरम वार्ड प्रथम के गड़रियन पुरवा में नहीं है सड़क, जलनिकासी जैसी सुविधाएं

आगरा एक्सप्रेस वे पर चलती बस का टायर फटने से लगी आग

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। मोहान रोड आगरा एक्सप्रेस वे उतरते समय बस का टायर फट गया। जिससे बस में आग लग गई। आग लगने से हालांकि कोई हताहत नहीं हुआ। घटना के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने आग पर काबू पाया।

पुलिस के मुताबिक हरियाणा युमना नगर से बिहार जा रही निजी बस मोहान रोड आगरा एक्सप्रेस वे से उतरते समय बस का पिछला टायर फट गया। जिससे बस में आग लग गई। बस में 95 सवारी बैठी थी। आग लगने से कोई हताहत नहीं हुआ।बस आग लगने सूचना लोगों ने पुलिस व फायर ब्रिगेड को दी। मौके पर आलमबाग, सरोजनीनगर, हजरतगंज, चौक से सात दमकल गाड़ी मौके पर पहुंची और तीन गाड़ी से आग पर काबू पाया। आग लगने से मोहान रोड व आगरा एक्सप्रेस वे पर काफी लम्बी लाइन लग गया था। जिसे काफी देर बाद सामान्य कराया जा सका।

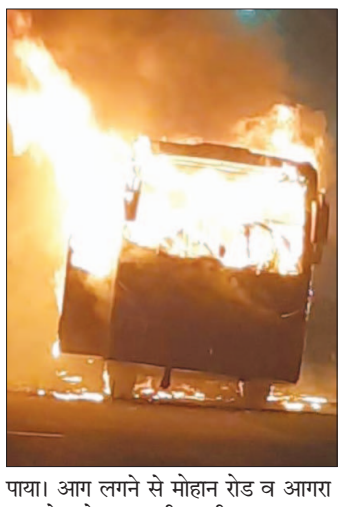

गोमतीनगर में माई ओलंपिया फिटनेस जोन का शुभारंभ 15 को

लखनऊ (क्राइम रिव्यू)। गोमतीनगर के खरगापुर निकट संकटमोचन द्वार के पास अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस माई ओलंपिया फिटनेस जोन का शुभारंभ 15 जनवरी को किया जा रहा है।

फिटनेश जोन के डायरेक्टर नागेश राज ने बताया कि कल्याणपुर, राजाजीपुरम के बाद यह उनकी तीसरी शाखा होगी। फिटनेस जोन से महिला-पुरुष, व्यवसायी और खिलाड़ी प्रशिक्षित ट्रेनर के जरिए अपनी बॉडी फिटनेस को बनाए रख पाएंगे। इस क्षेत्र में जिम की शुरूआत होने से खास कर युवा वर्ग अपनी सेहत को तंदरुस्त रख पाएंगे। उन्होंने बताया कि यहाँ महिला और पुरुष एक साथ जिम कर सकेंगे। इसमें कार्डियो और स्ट्रेंथ वर्कआउट का फुल मशीन है। जिसमें लोग गेनिंग प्रोग्राम वेट लॉस प्रोग्राम कंपलीट बॉडी बिल्डिंग फिजिकल फिटनेस के साथ ही ओमान फिटनेस के लिए तैयारी भी कर सकते हैं। नागेश ने बताया कि सेंटर सुबह पांच बजे से दोपहर 12 बजे तक और अपरान्ह चार बजे से रात 10 खुलेगा।

वृद्ध महिलाओं को किया कंबल वितरण

लखनऊ (क्राइम रिव्यू) । भारतीय स्टेट बैंक, शान्ति फाउंडेशन ट्रस्ट के प्रयोजन से सरल केयर फाउंडेशन ने नंदोली गांव में 500 से अधिक महिलाओं को कंबल वितरण किया गया। मोहनलालगंज के विधायक अम्बरीष सिंह पुष्कर ने कहा कि सर्दियों के समय कंबल वितरण बहुत ही सराहनीय कार्य है।

भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य महाप्रबंधक अजय कुमार खन्ना ने गांव के लोगो को बैंक के महत्व के बारे में बातया और कहा बैंक आपकी दोस्त है वह समाज के हितकारी तमाम काम भी करती है। भारतीय स्टेट बैंक ऑफ इंडिया लेडीज क्लब की अध्यक्ष माधवी खन्ना ने महिलाओं को कंबल दिया। शिक्षा विभाग की अधिकारी ललिता प्रदीप ने लोगों से बच्चों को स्कूल पढ़ने भेजने के लिए कहा।

भाजपा नेता डॉक्टर श्वेता सिंह ने कहा कि गांव और गरीब किसान को मदद करनी चाहिये। आनंद शेखर सिंह ने सभी गांव के लोगो को सर्दियों में अपना ख्याल रखने के लिए कहा।

सरल केयर फाउंडेशन की अध्यक्ष रीता सिंह ने गांव की महिलाओं को स्वच्छता की जानकारी दी। इस कार्यक्रम में मोहनलालगंज के विधायक अम्बरीष पुष्कर, भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य महाप्रबंधक अजय कुमार खन्ना, स्टेट बैंक लेडीज क्लब की प्रेसिडेंट माधवी खन्ना, डीजीएम स्टेट बैंक नीलेश द्विवेदी, शिक्षा विभाग से ललिता प्रदीप, बाबू सुंदर सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट के चेयरमैन आनंद शेखर सिंह, डायरेक्टर रीना सिंह, भारतीय जनता पार्टी अवध प्रान्त की उपाध्यक्ष डॉक्टर श्वेता सिंह, सरल केयर फाउंडेशन की अध्यक्ष रीता सिंह, युवा अधिवक्ता तथा मुख्य ट्रस्टी शान्ति फाउंडेशन ट्रस्ट तन्मय प्रदीप, विनोद कुमार , समाजसेवी आईपी सिंह, ज्ञानेंद्र सिंह, राकेश कुमार, बीडीसी सदस्य वंदना सिंह, पूर्व प्रधान रीना सिंह, शिक्षक श्वेता शुक्ला मोहिनी आभा और सत्यम सिंह व अन्य रहे।

ग्रहों के राजा सूर्य आज करेंगे मकर राशि में प्रवेश

मधुर मोहन तिवारी

लखनऊ (क्राइम रिव्यू)। इस बार पूरे देश मे 14 जनवरी को मकर संक्रांति मनाई जायेगी। सीतापुर रोड स्थित हाथी बाबा मन्दिर के ज्योतिषाचार्य आनंद दुबे ने बताया कि मकर संक्रांति में सूर्य देव धनु राशि से मकर राशि में आते हैं। इस दिन स्नान, दान-पुण्य के कार्य किए जाते हैं। सूर्योदय के बाद पुण्य काल मे पवित्र स्थानो पर स्नान, दान, का महत्व होता है। काले तिल, गुड, खिचड़ी, कंबल व लकडी के दान का विशेष महत्व है। इसी दिन पोंगल, बिहू और उत्तरायण पर्व भी मनाया जाएगा।

सूर्य का मकर में प्रवेश

ग्रहों के राजा सूर्य का मकर राशि में आगमन गुरुवार 14 जनवरी को सुबह 8 बजकर 14 मिनट पर हो रहा है। शास्त्रों का मत है कि संक्रांति के 6 घंटे 24 मिनट पहले से पुण्य काल का आरंभ हो जात है। इसलिए इस वर्ष ब्रह्म मुहूर्त से संक्रांति का स्नान दान पुण्य किया जा सकेगा। 14 जनवरी दोपहर 2 बजकर 03 मिनट तक का समय संक्रांति से संबंधित धार्मिक कार्यो के लिए उत्तम रहेगा। वैसे तो सूर्योदय से पूरे दिन पुण्यकाल रहेगा।

आनंद दुबे ने बताया कि इस दिन से खरमास समाप्त हो जाएगा। लेकिन मकर संक्रांति के 3 दिन बाद ही गुरु अस्त हो जायेंगे। गुरु तारा अस्त होने से एक माह (14 फरवरी) तक मांगलिक कार्य नही होंगे। सूर्य के मकर रेखा से कर्क रेखा की ओर जाना उत्तरायण कहलाता है, उत्तरायण देवताओं का दिन है।

ज्योतिषाचार्य एस एस नागपाल ने बताया कि सूर्य के मकर रेखा से कर्क रेखा की ओर जाना उत्तरायण कहलाता है। शास्त्रानुसार उत्तरायण देवताओं का दिन है। सूर्य के मकर राशि के प्रवेश को मकर संक्रान्ति कहते है। मकर संक्रान्ति प्रातः सूर्योदय के बाद पुन्यकाल में पवित्र स्थानों पर स्नान दान का महत्व होता है। इस पुन्यकाल में स्नान, सूर्य उपासना , जप , अनुष्ठान, दान-दक्षिणा करते है। इस अवसर पर काले तिल, गुड़ , खिचड़ी, कम्बल, लकड़ी आदि का दान का विशेष महत्व है। इस अवसर पर पवित्र नदियों एवं गंगा सागर में मेला लगता है । 14 जनवरी के बाद मलमास के कारण रूके हुए मांगलिक कार्य प्रारम्भ होते है परन्तु इस बार गुरु शुक्र अस्त के चलते विवाह आदि मांगलिक कार्य अप्रैल से होंगे ।

इस बार मकर संक्रान्ति पर्व 14 जनवरी को मनाया जाएगा। 14 जनवरी को सूर्य प्रात 8:30 उत्तरायण होंगे सूर्य मकर राशि में प्रवेश करेंगे। मकर संक्रांति के दिन श्रवण नक्षत्र में सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने से वज्र योग बन रहा है। यह खास संयोग कई राशियों के लिए शुभ परिणाम लेकर आएगा। सूर्य के मकर राशि में आने से मकर संक्रांति के दिन 5 ग्रहों का शुभ संयोग बनेगा। जिसमें सूर्य, बुध, चंद्रमा गुरु और शनि शामिल हैं। मेष कर्क कन्या तुला धनु मीन राशियों को इस योग का मिलेगा शुभ प्रभाव।

मकर संक्रान्ति के साथ अनेक पौराणिक तथ्य जुड़े हुए हैं जिसमें महाभारत की कथा के अनुसार भीष्म पितामह ने अपनी देह त्यागने के लिये मकर संक्रान्ति का दिन ही चुना था। कहा जाता है कि आज ही के दिन गंगा जी भगीरथ के पीछे-पीछे चलकर कपिल मुनि के आश्रम से होकर सागर में जा मिली थी। इसीलिए आज के दिन गंगा स्नान व तीर्थ स्थलों पर स्नान दान का विशेष महत्व माना गया है।

मकर संक्रांति पर्व उत्तर प्रदेश में खिचड़ी के नाम से , तमिल में पोंगल , राजस्थान और गुजरात में उत्तरायण , हरियाण, पंजाब में माघी और पूर्वी भारत में भोगाली बिहू के नाम से मनाया जाता है।

ज्योतिषानुसार अगर कुंडली में सूर्य शनि का दोष है तो मकर संक्रान्ति पर्व पर सूर्य उपासना से पिता पुत्र के खराब संबंध अच्छे होते है । सूर्य के अच्छे प्रभाव से यश, सरकारी पक्ष और पिता से लाभ ,आत्मविश्वास में वृद्धि , सिर दर्द, आँखों के रोग, हडड्यिों के रोग , हृदय रोग आदि रोगों से भी आराम मिलता है-

राशि अनुसार ये करें दान

मेषः गुड़, मूंगफली दाने, तिल
वृषः दही, तिल, सफेद वस्त्र
मिथुनः मूंग दाल, चावल, कम्बल
कर्कः चावल, चांदी, सफेद तिल
सिंहः- तांबा, गुड़, सोना
कन्याः खिचड़ी, कंबल, हरा वस्त्र
तुलाः शक्कर, कंबल, सफेद वस्त्र
वृश्चिकः मूंगा, लाल वस्त्र, तिल
धनुः पीला वस्त्र, खड़ी हल्दी, सोना
मकरः काला कंबल, तेल, काला तिल
कुंभः काला वस्त्र, काली उड़द, खिचड़ी, तिल
मीनः चने की दाल, चावल, तिल, पीला रेशमी वस्त्र

मकर संक्रांति के दिन तिल गुड़ के व्यंजन और चावल में मूंग की दाल मिलाकर बनाई गई खिचड़ी का सेवन ऋतु-परिवर्तनजन्य रोगों से रक्षा करता है । इनका दान करने का भी विधान है ।

मकर संक्रांति पर्व पर तिल के उपयोग की महिमा पर शास्त्रीय दृष्टि से प्रकाश डालते हुए ज्योतिषाचार्य प्रशांत तिवारी ने बताया कि जो मकर संक्रांति में इन छह प्रकारों से तिलों का उपयोग करता है वह इहलोक और परलोक में वांछित फल पाता है ङ्क तिल का उबटन, तिलमिश्रित जल से स्नान, तिल-जल से अर्घ, तिल का होम, तिल का दान और तिलयुक्त भोजन । किंतु ध्यान रखें रात्रि को तिल व उसके तेल से बनी वस्तुएं खाना वर्जित है।

उत्तरायण विशेष

जिनके जीवन में अर्थ का अभाव... पैसों की तंगी बहुत देखनी पड़ती है जिनको कोई बहुत परेशान कर रहा है जिनके शरीर में रोग रहते हैं ..मिटते नहीं हैं उन सभी के लिए ये योग बहुत सुन्दर है क्या करें ?

तपस्या कर सकें तो बहुत अच्छा है .. नमक -मिर्च नहीं खाना उस दिन आदित्यहृदय स्त्रोत्र का पाठ भी जरुर करें ..जितना हो सके 1/2/3 बार... जो आप चाहते हैं ...सुबह स्नान आदि करके श्वास गहरा लेके रोकना ...गायत्री मंत्र बोलना ...संकल्प करना ...हम ये चाहते हैं प्रभु !...ऐसा हो .. फिर श्वास छोड़ना ... ऐसा 3 बार जरुर करें फिर अपना गुरु मंत्र का जप करें।

स्वच्छता अभियान के लिए नगर आयुक्त की अच्छी पहल

सभी जोन में एंटी गार्बेज यूनिट गठित

लखनऊ (क्राइम रिव्यू) । नगर निगम लखनऊ लाल बाग मुख्यालय में नगर आयुक्त अजय कुमार द्विवेदी के निर्देश के क्रम में अपर नगर आयुक्त अर्चना द्विवेदी के द्वारा एंटी गार्बेज यूनिट का गठन किया गया। प्रत्येक जोन में गठित इस यूनिट द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत लखनऊ वासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का कार्य किया जायेगा जिससे शहर को स्वच्छ रखने में मदद मिलेगी और जिससे चल रहे स्वच्छ सर्वेक्षक 2021 की रैंकिंग में उच्च स्थान प्राप्त होने मे मदद मिलेगी। यूनिट द्वारा ऐसे व्यक्ति जो गन्दगी फैलाते है और स्वच्छता के नियमो का पालन नहीं करते है उन्हें सर्वप्रथम जागरूक किया जाएगा कि शहर में गंदगी ना फैलाए एवं कूड़ा नगर निगम द्वारा अधिकृत कूड़े वाले कों 4 भागों मे अलग अलग करके दे अथवा पॉलीथिन का उपयोग न करें। न मानने वालों के विरुद्ध चालान की कार्यवाही भी की जाएगी।

ये निर्देश जारी

- सभी दुकानदारो को जागरूक करना कि वह सड़क पर कूड़ा न फैलाएं।
- . कूड़ा अधिकृत कूड़े वालों को दे। अनधिकृत कूड़ा कलेक्शन करने वालो को कूड़ा न दें।
- . कूड़ा को 4 भागो मे (गीला कूड़ा हरे हिस्से मे, सूखा कूड़ा नीले हिस्से में,जेव अपशिष्ट गाड़ी के पीले हिस्से में एवं घरेलू हानिकारक अपशिष्ट गाड़ी के काले हिस्से में)अलग अलग कर ही कूड़ा गाड़ी में डाले।
- पॉलीथिन का उपयोग न करें, ना किसी को करने दे। पॉलिथीन सरकार द्वारा प्रतिबंधित है उसकी जगह पर कपडे का थैला उपयोग करने हेतु जागरूक करना।
- . सिगल यूज्ड डिस्पोजेबल एवं प्लास्टिक का उपयोग न करने हेतू जागरूक करना।

शक्ति के अभाव में विश्वास व्यर्थ है। विश्वास और शक्ति, दोनों किसी महान काम को करने के लिए आवश्यक हैं।
–सरदार पटेल

शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने का आरोपी गिरफ्तार

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। शादी का झांसा देकर युवती का यौन शोषण करने के आरोपी गारमेंट्स फैक्ट्री के मालिक को विकासनगर पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद आरोपी पीड़िता को लगातार धमकी दे रहा था।

डीसीपी उत्तरी रईस अख्तर ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी आजमगढ़ निवासी मंजर मिर्जा है। उसे सोमवार को मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। डीसीपी के मुताबिक आरोपी की रिंग रोड पर गारमेंट्स की फैक्ट्री है। जहां एक युवती काम करती थी। युवती का आरोप है कि आरोपी मंजर मिर्जा ने उसे अपने प्रेम जाल में फंसा लिया और शादी का झांसा देकर उसका काफी समय तक यौन शोषण करता रहा। शादी का दबाव बनाने पर आरोपी धमकी देने लगा। इससे आहत होकर पीड़िता ने इस मामले में काकोरी थाने में एफआईआर दर्ज करवाई थी। जांच में घटना स्थल विकासनगर थाना क्षेत्र का पाया गया। लिहाजा काकोरी से केस को विकासनगर थाने को ट्रांसफर कर दिया गया। इसके बाद पुलिस ने पूरे मामले की पड़ताल की और सोमवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया ।

...जब पति की हत्या करने के बाद रखा उसके लिए व्रत

» मड़ियांव के हरिओम नगर में चार साल पहले महिला ने प्रेमी के साथ मिलकर की थी पति की हत्या

» पुलिस के सामने भाग निकला था आरोपी प्रेमी

सच्ची घटना

हेमन्त कुमार मिश्रा

लखनऊ (क्राइम रिव्यू)।14 नवंबर 2016 को मधु सुबह से ही बहुत खुश थी, खुश भी क्यों न हो तीन साल पहले ही तो उसने शिवा सक्सेना उर्फ शैलू के साथ अग्नि को साक्षी मानकर सात जन्मों तक साथ निभाने का वादा किया था। आज उसी वादा को पूरा करने के लिए उसके दुर्घायु के लिए मधु ने व्रत रखा हुआ था। वह अपनी कॉलोनी की सहेलियों को बार-बार अपने और अपने पति की प्रेम कहानी सुनाकर खुश हो रही थी। वह अपनी सहेलियों से हाथों में मेहंदी और पैरों में महावर लगवाया और घर मे उसने अच्छे पकवान बनाए। शाम होते ही सोलह श्रृंगार में सजी मधु बहुत ही खूबसूरत लग रही थी। ऐसा लग रहा था कि जैसे वह अभी-अभी नई नवेली दुल्हन बनी हो और अपने प्रियतम के आने की बाट जोह रही है। उसने चांद का दीदार करने के लिए पूजा की थाल सजाई हुई थी, क्योंकि आज करवा चौथ का व्रत था और उसे भी अपने पति के दीर्घायु की कामना कामदेव चंद्रमा से करनी थी। इसलिए वह अन्य महिलाओं के साथ छत पर चांद का दीदार करने को बेताब थी। तभी चांद निकला और उसने अन्य महिलाओं के साथ पूजा अर्चना कर चांद का दीदार किया, अरे लेकिन ये क्या अभी तक शिवा तो काम से घर लौटा ही नहीं था। सखियों ने पूछा मधु तुम्हारा चांद कब आएगा, आ जएगा वह अभी काम से बाहर गए हैं दो-तीन दिन बाद आएंगे, हां हम अभी उनसे फोन पर बात करके व्रत तोड़ लेंगे। सभी सखी सहेली चली जाती हैं। मधु भी अपने घर मे है। पड़ोसी महिलाएं बताती हैं कि देर रात तक मधु जगती रही, उसके घर की लाइट जल रही थी, तो वह लोग भी मधु को आज के दिन अकेले घर मे देख कर मायूस थे, हो भी क्यों न क्योकि जिस पति के लिए वह सुबह से भूखी प्यासी निर्जला व्रत रखा था, वही आज उसके साथ नहीं था। लेकिन पड़ोस की एक महिला बताती है कि देर रात उसका पति आया था, मधु ने दरवाजा खोल कर उसे अपने बाहों में लिया था, लेकिन ये क्या सुबह होने पर शिवा नहीं दिखा। पड़ोसी महिला ने पूछा तो मधु ने यह कह कर टाल दिया कि चाची आप का बुढ़ापा आ गया है, ज्यादा उल्टा-सीधा न सोंचा करो...खैर धीरे -धीरे तीन महीने बीत गए और शिवा घर नहीं पहुंचा। लोगों के पूछने पर मधु यह कहकर टाल जाती की शहर से बाहर उनकी नई-नई नौकरी मिली है, छुट्टियां कम मिल पाने के कारण वह कभी कदार रात को आते हैं और तड़के ही निकल जाते है। लोग मधु के पीछे छिपे उस हैवान चेहरे को देख पाते उससे पहले ही 26 फरवरी 2017 का वह काला दिन लोगों के सामने आ गया। सुबह के आठ बज रहे थे, बड़ी तादात में पुलिस फोर्स ने मधु के घर को छावनी में तब्दील कर दिया। पुलिस जीप में बैठी मधु को बाहर निकाला गया। मधु पुलिस को अपने घर के अंदर ले गई और सेप्टिक टैंक की ओर इशारा किया। इस बीच आसपास के काफी लोग इकट्ठा हो चुके थे।

यह थी घटना

मूलरूप से बलरामपुर निवासी शिवा सक्सेना उर्फ शैलू (29) के माता-पिता की कई साल पहले सड़क हादसे में मौत हो गई थी। जिसके बाद इंदिरानगर निवासी उसके मामा जनकराज ही उसकी देख रेख करते थे। शिवा की शादी 2013 में बिरहाना रकाबगंज की रहने वाली मधु से हुई थी। शिवा मधु को लेकर मामा जनकराज के दिए हुए मड़ियांव के हरीओम नगर स्थित मकान में रहने लगा था। 16 नवंबर 2016 की रात मधु ने हैवानियत की सारी हदें पार कर दी। आधी रात को उसने अपने प्रेमी नीरज के साथ मिलकर शिवा की हत्या कर दी। शव को घर के सेप्टिक टैंक में डाल दिया। घटना के करीब तीन महीने बाद मृतक के मामा को शक होने पर उन्होंने पुलिस से शिकायत की। 26 फरवरी 2017 को पुलिस ने मधु की निशानदेही पर शिवा के शव के कंकाल को घर के सेप्टिक टैंक से बरामद कर लिया। पूछताछ में मधु ने प्रेमी नीरज के साथ मिलकर हत्या करना कुबूल कर लिया। पुलिस ने मधु को तो जेल भेज दिया था। लेकिन नीरज भाग निकला था। इस मामले के साढ़े तीन साल से अधिक का समय बीतने के बावजूद पुलिस आज तक नीरज की तलाश में खाक छान रही है।

शिवा का कंकाल देख कर सिहर उठे लोग

मड़ियांव के हरिओम नगर के लोग आज भी उस मंजर को याद कर सिहर उठते हैं। लोगों ने देखा था कि उसके दुख सुख में घर के सदस्यों की तरह खड़े रहने वाले शिवा सक्सेना उर्फ शैलू (29) का क्षत-विक्षत कंकाल उसी के घर के सेप्टिक टैंक से पुलिस ने बरामद किया था। लोगों को हैरानी उस वक्त हुई थी जब पता चला कि जीवन भर साथ निभाने की कसमें खाने वाली पत्नी मधु ने ही प्रेमी के साथ मिलकर उसे मौत के घाट उतारा था। हालांकि लोगों में पुलिस के प्रति नाराजगी भी हैं। उनका कहना है कि शिवा के हत्यारोपी को साढ़े तीन साल बाद भी पुलिस गिरफ्तार नहीं कर सकी हैं। वहीं पुलिस के पास आरोपी के कोई ठौर-ठिकाने की जानकारी न होने के कारण पुलिस उसकी तलाश में एक कदम भी नहीं चल सकी है। वहीं सूत्रों का कहना है कि इस सम्बंध में कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए इंस्पेक्टर मड़ियांव से रिपोर्ट तलब की है। हालांकि कोर्ट में चली अब तक सुनवाई में जांच करने वाली पुलिस टीम व पोस्टमॉर्टम करने वाले डॉक्टरों के पैनल की गवाही हो चुकी है। अन्य गवाहियों को पूरा कराने के लिए पुलिस प्रयासरत है।

बदल दिया था ठिकाना, खुद को बताते थे पति-पत्नी

पति की हत्या करने के करीब दो सप्ताह बाद मधु अपने प्रेमी नीरज के साथ हरिओम नगर में ही एक मकान में किराए से रहने लगी थी। जहां दोनों की हरकते देख मकान मालिक ने मकान खाली करवा लिया। इस पर उसने एक रिटायर्ड दरोगा व किराना व्यवसाई के माध्यम से 12 जनवरी को सुरेश चन्द्र वर्मा के घर में एक कमरे को 1200 रूपये प्रति माह किराए देकर रहने लगी। उसी घर में रह रहे अन्य किरायेदारों ने पुलिस को बताया था कि दोनों पति पत्नी की तरह रहते थे। दोनों में काफी प्रेम था। इतना ही नहीं दोनों ने वैलंटाइंस डे के पूरे सप्ताह को काफी रोमांटिक अंदाज में मनाया था।

पुलिस नाकाम हुई तो जुड़वा भाई ने दिखाई हिम्मत

मधु के बातों में विरोधाभास होने पर मामा को उस पर शक हुआ इस पर उन्होंने तत्कालीन इंस्पेक्टर मड़ियांव नागेश मिश्रा से मिलकर पूरी बात बताते हुए शिवा की हत्या की आशंका जताई। इसपर हरकत में आई पुलिस ने मधु को तीन दिनों तक हिरासत में रखा। लेकिन उससे सच्चाई उगलवाने में नाकाम रही। इस पर पुलिस ने मधु के परिवाजनों को बुलवाया। पूरा मामला समझने के बाद मधु का जुड़वा भाई मोहित ने मधु को अपनी जिम्मेदारी पर घर ले गया। जहां उसने काउंसलिंग कर सच्चाई का पता लगा लिया। मधु के मुंह से पति की हत्या का खुलासा सुनते ही उसके परिवारीजनों के पैरो के नीचे से जमीन ही खिसक गई। उनका गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया और जमकर मधु की धुनाई कर उसे पुलिस के हवाले कर दिया।

हत्यारोपी की फोटो तक नहीं तलाश सकी पुलिस

जिस समय यह सनसनी खेज घटना हुई थी, उस समय मड़ियांव थाने की कमान इंस्पेक्टर नागेश मिश्रा के हाथ मे थी। पुलिस की दबिश के दौरान नीरज दीवार फांद कर भाग गया था। जबकि मधु पुलिस के हत्थे चढ़ गई थी। नीरज फरार घोषित हुआ। उसके तलाश में पुलिस संभावित ठिकानों पर छापेमारी करती रही। लेकिन पुलिस उसके पते तक की तलाश नहीं कर सकी। इसके बाद मड़ियांव थाने की कमान अंजनी कुमार पांडेय, राघवन कुमार सिंह, अमरनाथ वर्मा, तेज प्रकाश सिंह, प्रदीप सिंह, संतोष सिंह व वर्तमान में इंस्पेक्टर विपिन सिंह के हाथ मे है। विपिन सिंह ने बताया कि पूरी पड़ताल में पता चला कि शिवा की राजेंद्रनगर निवासी मौसी रंजना अस्थाना ने नीरज को गोद ले रखा था। लेकिन रंजना यह नहीं जानती थी कि नीरज कौन है और कहा से आया था। रंजना ने बताया था कि नीरज खुद को लावारिस बताता था। जिसके बाद उसने उसे अपने पास रख लिया था। इंस्पेक्टर के मुताबिक किसी के पास नीरज की फोटो तक नहीं है। हालांकि घटना के बाद लोगों ने पुलिस से रंजना के भी मिलीभगत होने की आशंका जताई थी।लोगों के मुताबिक रंजना कई दिनों तक दोनों के साथ रूकती थी। पूछने पर नीरज को अपना बेटा और मधु को बहू बताती थी।

मृतक के मामा को एक महीने बाद दी थी गुमशुदा होने की जानकारी

इंदिरानगर निवासी उसके मामा जनकराज ने पुलिस को बताया था कि जब कई दिनों तक शिवा की जानकारी नहीं मिली तो उन्होंने अपने बेटे प्रदीप को शिवा के घर भेजा था। घर मे अक्सर ताला लगा मिलता था। काफी प्रयास के बाद मधु से संपर्क हो सका। इस पर मधु ने बताया कि शिवा 20 अक्टूबर को मूल निवास बलरामपुर गया था। तभी से उसका अता-पता नहीं है। काफी खोजबीन के बाद मामा जनकराज ने मधु से उसकी गुमशुदगी दर्ज कराने को कहा। काफी टाल मटोल के बाद मधु ने 12 नवंबर को मड़ियांव थाने में तहरीर देकर पति की 20 अक्टूबर से लापता होने की जानकारी दी। हालांकि मधु ने मामा को गुमशुदगी दर्ज होने की झूठी सूचना दे दी। मामा द्वारा रिपोर्ट की कॉपी मांगने पर वह काफी दिनों तक टाल मटोल करती रही। लिहाजा मामा को उस पर शक हो गया था।

राज खुलने के डर से कर दी थी हत्या

पुलिस पूछताछ में मधु ने बताया था कि शिवा प्राइवेट काम करता था। लिहाजा अक्सर देर रात को घर आता था। लेकिन 16 नवंबर 2016 को वह जल्दी घर लौट आया था। दरवाजा खुला होने के कारण वह सीधे कमरे में पहुंच गया था। जहां उसने उसे नीरज के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया था। जिससे वह आगबबूला हो गया था। वह सुबह होते ही पुलिस व परिवारीजनों को बताने की बात पर अड़ा था। लिहाजा उसने प्रेमी नीरज के साथ मिलकर दुपट्टे से गला कसकर हत्या कर शव को सेप्टिक टैंक में डाल दिया था।

इस सनसनी केस का खुलासा किसी फिल्मी स्टोरी से कम नहीं था। पति की हत्यारोपित मधु सक्सेना ने करवा चौथ के दो दिन पहले 16 नवंबर 2016 की रात अपने प्रेमी नीरज के साथ मिलकर उसकी हत्या कर शव को घर में ही बने सेप्टिक टैंक में डाल दिया। पड़ोसी महिलाओं ने पुलिस को बताया था कि वह 19 नवंबर को करवा चौथ के दिन अपने प्रेमी नीरज के साथ शॉपिंग कर घर लौटी। इस पर पड़ोसी महिलाओं ने शिवा के बारे में पूछा तो उसने बताया कि शिवा कुछ दिनों के लिए अपने पैतृक निवास बलरामपुर गया है। पड़ोसी महिलाओं ने बताया कि करवा चौथ के दिन वह दिन में हांथो में मेहंदी व पैरो में महावर लगा कर दिखी उस समय वह बहुत खुश लग रही थी। इतना ही नहीं शाम होते ही वह पूरे मेकअप के साथ घर की छत पर करवा चौथ की पूजा भी करते देखी गई। लेकिन उसका पति नहीं दिखा। स्थानीय लोगों के मुताबिक करवा चौथ के करीब दो सप्ताह तक मधु वहीं रही। इस बीच नीरज का आना-जाना लगा रहा। उसके बाद वह अचानक गायब हो गई।

फरार हत्यारोपी नीरज की तलाश की पूरी कोशिश की जा चुकी है। हालांकि पुलिस अभी भी उसकी तलाश के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। इसके लिए स्थानीय स्तर पर मुखबिर अलर्ट किए गए हैं।
– विपिन कुमार सिंह, इंस्पेक्टर मड़ियांव

स्वर्गीय इंस्पेक्टर नागेश ने किया था मामले का खुलासा

इस केस में तत्कालीन इंस्पेक्टर मड़ियांव रहे स्वर्गीय नागेश मिश्रा ने कड़ी मेहनत के बाद केस का खुलासा ही नहीं किया, बल्कि आरोपियों को सख्त से सख्त सजा दिलवाने के लिए साक्ष्यों को मजबूत आधार बनाया और कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर सजा की अपील की। बता दें कि नागेश मिश्रा जी सीओ के पोस्ट पर पदोन्नति हुए और हरदोई में सेवा देते हुए बीते दिनों कोरोना से उनकी दुःखद मौत हो गई।

पुलिस पर करें विश्वास, हम आपके हर पल हैं साथ : डीसीपी

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। दक्षिणी जोन के थाना नगराम में बुधवार को पुलिस और जनता के बीच सामंजस्य स्थापित करने के लिये जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिसमें लोगों की समस्याओं को जानने के साथ ही संभ्रान्त लोगों से क्षेत्र में हो रहे अपराध की जानकारी ली गयी।डीसीपी(दक्षिणी) रवि कुमार व एडीसीपी सुरेश चन्द्र रावत द्वारा जनसंवाद कार्यक्रम की शुरूआत की गयी है।

डीसीपी रवि कुमार ने कहा कि वर्तमान में पुलिस और जनता के बीच अभी संवाद की कमी है,जिसे दुर करने के लिये जनसवांद कार्यक्रम का आयोजन किया गया है उन्होने आमजनमानस को भरोसा दिलाते हुये कहा पुलिस एक कड़ी तो दूसरी कड़ी जनता है दोनो कड़ी जुड़ने ले बाद एक चेन बन सकती है।आम जनता के सहयोग के बिना पुलिसिगं का कार्य पूर्ण नही हो सकता।

अपने आस-पास हो रहे अपराधो के बारे में बिना डरे पुलिस को सूचना दे,फिर भी कार्यवाही नही होती तो सीधे एसीपी,एडीसीपी सहित हमारे सीयूजी नम्बर पर सूचना दे, शिकायत करने वाले का नाम गोपनीय रखा जायेगा। डीसीपी ने लोगो से कोविड नियमो का पालन करने की भी अपील की।

जनसंवाद

नगराम थाने में पुलिस व जनता के बीच बेहतर सवांद स्थापित करने के लिये जनसंवाद का आयोजन

एडीसीपी सुरेश चन्द्र रावत ने कहा कि 'अपराधो पर अंकुश तभी लगता है जब पुलिस का सीधा संपर्क और संवाद जनता से होता रहे। जन संवाद से पुलिस और जनता के बीच की दूरी कम होती है।क्षेत्र का विकास तभी सम्भव है। जब विवाद शून्य रहे। उन्होने कहा कि अवैध शराब निर्माण, गोकशी, अवैध असलहाधारियों व मनचलों पर नियंत्रण कसने के लिए नागरिकों के सहयोग की जरूरत है। एडीसीपी ने क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में पुलिस की भूमिका, यूपी 112 ,आइजीआरएस,1090 व ट्विटर के माध्यम से शिकायतों के दर्ज किए जाने की प्रक्रिया के बारे में समझाने के साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से लोगो से सीसीटीवी कैमरा लगाए जाने अपेक्षा की ।जनसवांद कार्यक्रम में एसीपी प्रवीण मलिक,प्रभारी निरीक्षक मोहम्मद अशरफ सहित क्षेत्र के सभ्रान्त लोगो ने सम्बोधित किया।

डायल 112 यूपी से कार्यमुक्त हुए दो अपर पुलिस अधीक्षक

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। 112 यूपी मुख्यालय में कार्यरत अपर पुलिस अधीक्षक दिगंबर कुशवाहा और डॉ प्रवीण रंजन सिंह को आज अपनी तैनाती वाली जगह के लिए हुए कार्यमुक्त दिगंबर कुशवाहा का लखनऊ कमिश्नरेट और डॉ प्रवीण रंजन का बिजनौर के लिए हुआ स्थानांतरण। वर्तमान में अपर पुलिस अधीक्षक फील्ड सर्विस के पद पर रहते हुए दिगंबर कुशवाहा ने 23 महीने तक यूपी 112 को दी अपनी सेवा वहीं डॉ प्रवीण रंजन ने वर्तमान में अपर पुलिस अधीक्षक प्रशासन के पद पर कार्यरत थे। डॉ प्रवीण रंजन ने करीब 25 माह तक डायल 112 को अपनी सेवा प्रदान की लॉकडाउन के दौरान दोनों अधिकारियों ने डायल 112 को सराहनीय योगदान प्रदान किया आज मिली तैनाती।

महिला कॉन्स्टेबल ने पेश की ईमानदारी की मिसाल

लखनऊ (क्राइम रिव्यू)। विकास नगर थाने पर तैनात महिला कॉन्स्टेबल रेनू यादव ने बुजुर्ग जो पिता के समान हैं उनका खोया हुआ फोन लौटा दिया। फोन पाकर विकास नगर निवासी अनिल कुमार ने महिला सिपाही के कार्य की सराहना की। विकास नगर थाने पर पोस्ट महिला कांस्टेबल रेनू यादव की ईमानदारी की लोगों ने सराहना की है।

ज्वैलरी शॉप के कर्मचारियों से लूट का षड्यंत्र रचने वाले पांच आरोपी गिरफ्तार

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। हसनगंज पुलिस और डीसीपी उत्तरी की क्राइम टीम ने 6 दिन पहले हुई ज्वैलरी शॉप के कर्मचारियों से लूट का षड्यंत्र रचने वाले पांच आरोपितों को अरेस्ट कर लिया। उनके पास से लूटे गए 18,000 रुपये, दो कार, तमंचा और 12 बोर की दो कारतूस बरामद हुए हैं। डीसीपी उत्तरी रईस अख्तर ने षड्यंत्रकारियों को अरेस्ट करने वाली टीम को 20 हजार रुपये का इनाम देने की घोषणा की है।

डीसीपी उत्तरी राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि चौक के सर्राफा व्यापारी अजय अग्रवाल की एक शॉप महानगर में गोल मार्केट में है। पांच जनवरी की रात कर्मचारी प्रमोद श्रीवास्तव और पवन पांडेय चौक शॉप से एक लाख रुपये लेकर महानगर की शॉप जाने के लिए निकले। वह जैसे ही राम कृष्ण मठ के पास पहुंचे दो बाइक सवार तीन बदमाशों ने बाइक पर पीछे बैठे पवन के हाथ से नोटों से भरा बैग छीनने की कोशिश की। छीना-झपटी में बैग फट गया और रुपये जमीन पर गिर गए। रुपये बटोर रहे एक बदमाश को पवन ने दबोच लिया था। उसकी पहचान फैजुल्लागंज निवासी अभिषेक चौरसिया के रूप में हुई थी। वहीं, दो अन्य बदमाश बाराबंकी निवासी श्यामू और इमरान 60 हजार रुपये लूट कर भागने में कामयाब रहे। शोर सुनकर पहुंची भीड़ ने अभिषेक की पिटाई के बाद पुलिस के हवाले कर दिया था।

राजीव का नाम आते ही बिछाया जाल

अभिषेक ने पूछताछ में फैजुल्लागंज निवासी राजीव श्रीवास्तव, मेराज गाजी, डालीगंज निवासी अब्दुल मोमिन, सौरभ मिश्रा उर्फ कल्लन और बाराबंकी के मोहम्मदपुर निवासी अनमोल अवस्थी के नाम बताए थे। पुलिस ने सोमवार को सभी को गिरफ्तार कर लिया। क्राइम टीम प्रभारी एसआई मंगल सिंह ने बताया कि वर्ष 2017 में इंदिरानगर निवासी मौरंग कारोबारी के बेटे के अपहरण का जाल बिछा रहे राजीव श्रीवास्तव को उसके 5 साथियों समेत तत्कालीन इंस्पेक्टर गिरजा शंकर त्रिपाठी ने मुठभेड़ में दबोचा था।

पूछताछ में राजीव ने पुलिस को बताया कि लूट की योजना चौक में स्थित एक ज्वेलरी शॉप में काम करने वाले अनमोल ने बनाई थी। अनमोल को पता था कि चौक शॉप से रुपये महानगर ले जाया जाता है। अनमोल ने ये बात वहीं पर काम करने वाले कल्लन से बताई। कल्लन ने उसे राजीव से मिलवाया। लूट की योजना बना रहे राजीव ने अपने पुराने साथियों मोमिन, अभिषेक और इमरान से संपर्क कर लूट के लिए राजी कर लिया।

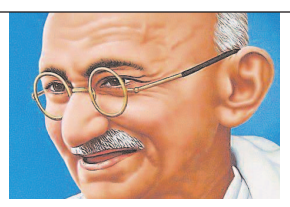

कोई भी हमारे आत्म सम्मान के साथ नहीं खेल सकता, जब तक हम इसकी इजाजत न दें।
- गांधी जी

सावधान! क्या वाट्सएप बनेगा बेईमान ?

इण्टरनेट, संचार क्रान्ति में वरदान तो जरूर साबित हुआ और देखते ही देखते मानव जीवन की अहम जरूरत बन भी गया। हकीकत भी यही है कि 'दुनिया मेरी मुट्ठी में' का असल सपना इण्टरनेट ने ही पूरा किया। लेकिन अब बड़ा सच यह भी है कि इस सेवा का जरिया बने यूजर्स से ही कमाई कर रहे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स चोरी-छिपे न केवल सायबर डकैती करते हैं बल्कि यूजर्स डेटा को ही अपने पास स्टोर करने की कोशिशें करते रहते हैं। यह न केवल निजता का उल्लंघन है बल्कि भविष्य में हर किसी की हैसियत को नापने का जरिया भी। दरअसल अभी आम लोगों को इस बारे में वाकई में ज्यादा जानकारी नहीं है। लेकिन यदि इसपर रोक नहीं लगी और कानून नहीं बना तो आपके एक-एक हिसाब-किताब यहाँ तक कि लेन-देन तक की सारी जानकारियाँ विदेशों में बैठे ऐसे सोशल मीडिया प्रोवाइडर के पास होगी जो अन एडिटेड इसे सोशल मीडिया में सारा कटेंट जस का तस परोस देते हैं। वहीं वैध इलेक्ट्रॉनिक मीडिया हो या प्रिन्ट, जिम्मेदार संपादक से लेकर कंटेंट एडिटर, कॉपी एडिटर की लंबी-चौड़ी और लगातार काम करने वाली टीम होती है। इसके द्वारा एक-एक शब्द को परखा और समझा जाता है तब जाकर सामग्री प्रकाशित या प्रसारित की जाती है।

हाल ही में वाट्सएप के द्वारा निजी डेटा के नाम पर जो इजाजत का प्रपंच रचा जा रहा है, वह देखने में तो महज चंद शब्दों का साधारण सा नोटिफिकेशन दिखता है लेकिन उसकी असल गहराई किसी साजिश से कम नहीं है। इससे सात समंदर पार दूर विदेश में बैठा वह सर्विस प्रोवाइडर जिसे यहाँ न उपयोगकर्ता जानता है न देखा है, उसे आपकी हर एक गतिविधि यहाँ तक कि मूवमेण्ट की भी जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ऐक्टिव होते ही हो जाएगी जो रिकॉर्ड होती रहेगी। मसलन आपने मॉल में कितने की खरीददारी की, आपकी मूवमेण्ट कहाँ-कहाँ थी, चूंकि भारत में वाट्सएप पेमेंट सेवा भी शुरू है तो लेन-देन तक यानी सारा कुछ जो आपके परिवारवालों को भी नहीं पता होता है, उस सोशल मीडिया सर्वर के जरिए वहाँ इकट्ठा होता रहेगी। झूठ और सच की महापाठशाला यानी वाट्सएप यूनिवर्सिटी भविष्य में उसी का काल बनेगी जो अभी मस्ती या सही, गलत सूचना के लिए इसका उपयोग धड़ल्ले से कर रहे हैं।

सच तो यह है कि इण्टरनेट ही तो वो दुनिया है जहां असल साम्यवाद है। सब बराबर हैं। किसी का रुतबा और पैसा यहां नहीं चलता। इसके लिए सारे यूजर समान हैं। किसी से भेदभाव भी नहीं है। सबको समान रूप से पल प्रतिपल इण्टरनेट ही तो अपडेट रखता है। लेकिन उसी इण्टरनेट की आड़ में निजी डेटा खंगालने का विदेशी खेल ठीक नहीं।

अब वाट्सएप भारत सहित यूरोप से बाहर रहने वालों में लोकप्रिय इस इंस्टैंट मैसेजिंग ऐप के उपयोग के लिए अपनी निजी पॉलिसी और शर्तों में बदलाव करने जा रहा है। 8 फरवरी के बाद वॉट्सएप इस्तेमाल तभी कर पाएंगे जब इन्हें स्वीकारेंगे वरना एकाउण्ट डिलीट हो जाएगा। यानी वाट्सएप द्वारा जबरन इजाजत ली जा रही है। अबतक यह देखा गया है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स इस तरह के अड़ियल रवैया नहीं अपनाते हैं और स्वीकार या अस्वीकार का ऑप्शन देते हैं। दरअसल फेसबुक ने 2014 में वाट्सएप को खरीदते ही कई बार पॉलिसी में बदलाव किए हैं। सितंबर 2016 से अपने उपयोगकर्ताओं का डेटा फेसबुक से शेयर भी कर रहा है। वाट्सएप की हालिया नई प्राइवेसी पॉलिसी और शर्तों की बारीकियों पर नजर डालें तो दिखता है कि यह हमारे आईटी कानूनों के अनुरूप कहीं से भी वाजिब नहीं है।

यहाँ गौर करना होगा कि वाट्सएप भी अलग-अलग देशों में वहाँ के कानूनों के अनुरूप अपनी निजता की पॉलिसी बनाता है। मसलन जिन देशों में प्राइवेसी और निजता से जुड़े बेहद कड़े कानून मौजूद हैं वहाँ उनका पालन इनकी मजबूरी होती है। जैसे यूरोपीय क्षेत्र, ब्राज़ील और अमेरिका, तीनों के लिए अलग-अलग नीतियाँ हैं। यूरोपीय संघ यानी यूरोपियन यूनियन और यूरोपीय क्षेत्रों के तहत आने वाले देशों के लिए अलग तो ब्राज़ील के लिए अलग। वहीं अमेरिका के उपयोगकर्ताओं के लिए वहाँ के स्थानीय स्थानीय कानूनों के तहत अलग-अलग प्राइवेसी पॉलिसियाँ व शर्तें हैं। शायद इसीलिए तमाम विकसित देशों की इसपर गंभीरता दिखती है क्योंकि वे अपने नागरिकों की निजता को लेकर बेहद सतर्क रहते हैं। यही कारण है कि देश के कानूनों से इतर ऐसे ऐप्स को वहाँ के प्ले स्टोर्स में जगह तक नहीं मिलती। हालांकि हमारे देश में पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन बिल लंबित है परन्तु उससे पहले ही वॉट्सएप का यह फरमान निश्चित रूप से परेशानी में तो डाल ही रहा है। इसकी वजह यह है कि बिल के पास होने तक वाट्सएप लोगों के निजी डेटा को न केवल इकट्ठा कर चुका होगा बल्कि जहाँ फायदा होगा वहाँ तक भी पहुँचा चुका होगा। ऐसे में इस बिल की प्रासंगिकता से कुछ खास हासिल होगा, लगता नहीं है।

सुपर पावर बनने की दौड़ में कहां खड़ा है भारत

दुनिया के लगभग सभी प्रमुख एजेंसियों और अध्ययन संगठनों ने भारत के विकास का पूर्वानुमान सकारात्मक बताया है। हालांकि मार्च 2020 की शुरुआत में ही कोविड के आ जाने के बाद भारत का जीडीपी विकास दर बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इसके बावजूद ऑप्टिमिज्म इंडेक्स में भारत एक आशावाद देश के रूप में शामिल है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत अभी भी दुनिया में सबसे तेजी से प्रमुख अर्थव्यवस्था होगा। हाल ही में जारी वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2020-21 में भारतीय अर्थव्यवस्था में लगभग 9 प्रतिशत का संकुचन आएगा, लेकिन उसके बाद अर्थव्यवस्था पटरी पर लौट आएगी और अंततः 2021 में भारत 5. प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर हासिल कर लेगा।

विक्रम उपाध्याय

कोविड के बाद की अर्थव्यवस्था कैसी होगी? कौन सुपर पावर बनेगा, किसकी अर्थव्यवस्था तबाह होगी? यह बहस विभिन्न मंचों पर चल रही है। चीनी अर्थशास्त्री विशेषकर इस बहस को हवा दे रहे हैं। यह कहा जा रहा है कि इस दशक के अंत तक चीन दुनिया का सबसे बड़ा अर्थतंत्र होगा। ब्रिटेन स्थित सेंटर फॉर इकोनॉमिक्स एंड बिजनेस रिसर्च का दावा है कि कोविड पर जल्दी काबू पाने के कारण चीन 2028 तक अमरीका और यूरोप से बहुत आगे निकल जाएगा। इसी संस्था ने यह भी भविष्यवाणी की है कि चीन और अमेरिका के बाद भारत 2030 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। यानी सुपर पावर बनने की दौड़ में भारत भी पीछे नहीं है।

दुनिया की 10 बड़ी अर्थव्यवस्था पर नजर डालें तो पाएंगे कि अभी भी अमेरिका 21.43 खरब डॉलर की जीडीपी के साथ बाकी सभी देशों के मुकाबले काफी आगे है। चीन अभी भी अमेरिकी जीडीपी के मुकाबले लगभग आधे 14.34 खरब डॉलर की जीडीपी के साथ दूसरे नंबर पर है। इसी आंकड़े का आकलन यदि प्रति व्यक्ति जीडीपी के साथ करें तो पाएंगे कि अमेरिका चीन से मीलों आगे है। अमेरिका का प्रतिव्यक्ति जीडीपी 65,298 डॉलर है तो चीन का प्रति व्यक्ति जीडीपी 10,262 डॉलर है। जापान और जर्मनी भी प्रति व्यक्ति जीडीपी के मामले में चीन से बहुत आगे हैं। जापान का

प्रतिव्यक्ति जीडीपी 40,247 डॉलर है तो जर्मनी का 46,445। इन्हीं आंकड़ों को भारत के संदर्भ में देखें तो तस्वीर ज्यादा चमकदार नहीं लगती। भारत का जीडीपी 2.87 खरब डॉलर का है और प्रति व्यक्ति जीडीपी केवल 2,100 डॉलर है। यानी सुपर पावर बनने की दिशा में भारत को अभी भी लंबा सफर तय करना है।

अमरीकी अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी खासियत उसकी टेक्नोलॉजी और सर्विस सेक्टर है। फाइनेंस, रियल एस्टेट, इंश्योरेंस, प्रोफेशनल एवं बिजनेस सर्विसेज उसकी जान है। अमेरिका एक खुली अर्थव्यवस्था है, जहां पूरी दुनिया से निवेश आता है। दुनिया की प्राइम करेंसी डॉलर होने के कारण अमेरिका अपने कर्जे को ठीक से ढंग से संभाल पाता है। आर्थिक पावर के साथ-साथ दुनिया का सबसे बड़ा मिलिट्री पावर होने के कारण भी अमेरिका सुपर पावर के रूप में अपनी बादशाहत बरकरार रखने में कामयाब रहा है। लेकिन धीरे-धीरे अमेरिका अब कई चुनौतियों से घिर भी गया है। सामाजिक रोष अमेरिका में बहुत ब? गया है। रूस और चीन से उसे आर्थिक और सामरिक टक्कर मिल रही है।

चीन ने पिछले चार दशक में काफी तरक्की की है। जीडीपी के मामले में दुनिया का दूसरी ब?ी अर्थव्यवस्था चीन बन चुका है और वह अमेरिका को पीछे छोड़ने की होड़ में पूरी तरह शामिल हो चुका है। चीन ने कृषि और उद्योग दोनों क्षेत्रों में पूरी दुनिया में आगे निकल चुका है। वह इस समय दुनिया का सबसे ब?ा एक्सपोर्टर है। पर कोविड के कारण उसकी चुनौतियां बहुत बड़ गई हैं। रूस को छे? दुनिया के सभी बढ़े देशों का चीन के प्रति रुख नकारात्मक हो गया है। अमेरिका, कनाडा, आस्ट्रेलिया और भारत के साथ लगभग उसकी दुश्मनी हो चुकी है। जाहिर है चीन का निर्यात बुरी तरह प्रभावित होने वाला है। कोरोना के मामले में पूरी दुनिया चीन को शक की नजर से देख रही है और यही उसके सुपर पावर बनने में बहुत बड़ी बाधा बनने वाला है।

चीन की अर्थव्यवस्था इस समय बहुत दबाव में है। कई साल तक लगातार दो अंकों में वृद्धि दर हासिल करने वाला चीन अब पिछड़ रहा है। कोविड से पहले भी चीन की पिछले तीन साल में औसत वृद्धि दर 6 प्रतिशत की रही। हालांकि चीन यह दावा कर रहा है कि कोविड पर जल्दी काबू पाने के कारण वह दुनिया की पहली अर्थव्यवस्था बन गया है जिसकी पॉजिटिव ग्रोथ रेट है। चीन ने दावा किया है कि 2020-21 में उसकी वृद्धि दर 7 प्रतिशत से भी अधिक होगी। लेकिन कई ऐसी मीडिया रिपोर्ट आई हैं जिनसे पता चलता है कि चीन के उद्योग बहुत दबाव में हैं। अमेरिका से सीधी टकराव के कारण चीन का निर्यात बहुत प्रभावित हुआ है और अब चीन घरेलू उपभोग को ध्यान में रखकर अपनी अर्थव्यवस्था का संयोजन कर रहा है। यदि अमेरिका की बाइडन सरकार भी चीन के प्रति पुराना रुख बरकरार रखती है और ट्रेड वार जारी रहता है तो चीन का सुपर पावर बनने का अवसर कमतर होता जाएगा।

तो क्या भारत की स्थिति चीन से बेहतर है। क्या भारत के पास सुपर पावर बनने की क्षमता और संभावना है। हाल के वर्षों में भारत अधिक उदारवादी अर्थव्यवस्था बन गया है।

किसान आंदोलन :समाधान तो संवाद से निकलेगा

प्रभात झा

महान भारतीय संस्कृति और परंपरा में कृषि को मानव कल्याण का साधन माना गया है। यजुर्वेद में कहा गया है- कृष्यै त्वा क्षेमाय त्वा रय्यै त्वा पोषाय त्वा। अर्थात राजा का मुख्य कर्त्तव्य कृषि की उन्नति, जन कल्याण और धन-धान्य की वृद्धि करना है। अन्न उत्पादन द्वारा अभाव तथा दारिद्रय को दूर करके राष्ट्र व समाज को समृद्धि प्रदान करने के कारण ही वेद में कृषक को अन्न पति और क्षेत्र पति कहकर स्तुति की गई है- अन्नानां पतये नमः क्षेत्राणां पतये नमः।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के किसानों को छे?कर अंबानी, अडाणी और देश के उद्योगपतियों के साथ खड़े होंगे, यह उतना ही बड़ा झूठ है जितना बड़ा कोई यह कहे कि सूर्य पूर्व से नहीं पश्चिम से उग रहा है। भारत कृषि और ऋषि प्रधान देश है। आजादी के बाद देश में अनेक सरकारें केन्द्र में आयी, पर अटलजी को छोड़कर किसी प्रधानमंत्री ने गांव, गरीब और किसान की ओर ध्यान नहीं दिया। भाषण सभी देते रहे कि भारत कृषि प्रधान देश है पर किसानों के खेत खलिहान की चिंता वर्षों बाद भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की है, भारत में किसान जो भारत की मिट्टी की शान है, को गर्त में डालकर कोई चाहे कि वह सरकार में बना रहेगा, यह संभव नहीं है। यही कारण है कि अपने छः वर्षों के कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों के हित में जितने फैसले लिए उतने पूर्व की सरकारों ने कभी नहीं लिए। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर देश का अटूट विश्वास है। दुनिया में कोई ऐसी तराजू नहीं बनी है जो नरेन्द्र मोदी की भाजपा सरकार को तौलने की ताकत रखती हो। जो नरेंद्र मोदी यह कहते हैं कि किसान शक्ति ही राष्ट्र की शक्ति है, उनके बारे में ऐसा सोचना ही पाप है।

अपने अन्नदाता और माटी के भाग्य विधाता की जिंदगी को बदलने के लिए लाए गए तीनों कृषि बिल का सच भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के सामने संसद और सड़क दोनों पर खुलकर रखा है। उन्होंने किसानों से कहा कि हम किसानों से हाथ जोड़कर विनम्रता पूर्वक कहते हैं कि वे सरकार के साथ संवाद करें और बतायें कि इन तीनों कानूनों में कौन-सा भाग उनके खिलाफ है, हम संशोधन के लिए तैयार हैं। इससे अधिक और देश के प्रधानमंत्री क्या कह सकते हैं। बावजूद इसके किसानों का अपनी बातों पर अड़े रहना क्या उचित कहा जा सकता है? विश्व भर में युद्ध हो या आंदोलन जितने दिन भी चलें हों, अंत में चर्चा (संवाद) से ही टेबल पर समाप्त हुए हैं। आज प्रत्येक भारतवासी के जुबां पर एक ही बात है कि नरेंद्र मोदी सरकार किसानों का अहित कभी नहीं कर सकती। किसानों का अहित यानि राष्ट्र का अहित। जो प्रधानसेवक अपनी जिंदगी का हर पल भारतमाता के लिए जीता हो, वह अन्नदाताओं की जिंदगी के साथ खिलवा? कैसे कर सकता है। विपक्ष को भी चाहिए कि वह भोलेभाले किसानों को गुमराह करने के बजाय उन्हें उचित राह बताएं।

पूरा देश जानता है कृषि क्षेत्र का कायाकल्प करने और किसानों की तकदीर बदले के उद्देश्य से ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा नए कृषि कानून लाये गए। ये तीन कानून हैं कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) कानून 2020, कृषक (सशक्तियकरण व संरक्षण) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा पर करार कानून 2020 और आवश्यक वस्तु संशोधन कानून 2020%। इन कानूनों के विरोध में एक महीना से अधिक समय से देश के किसान दिल्ली के बॉर्डरों पर धरना देकर बैठे हुए हैं। क?ाके की इस सर्दी में किसानों के साथ उनके परिवार से आये महिलायें, बच्चे और बुजुर्ग भी हैं। यह कष्टपूर्ण ही नहीं, हम सबके के लिए असह्य है। किसान हितैषी केंद्र की सरकार पहले दिन से संवेदनशील है। धरना को टालने के लिए सरकार की ओर से केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, केंद्रीय रेल तथा वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री सोम प्रकाश ने किसान संगठनों से बात की। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और गृहमंत्री अमित शाह ने भी अपनी ओर से किसान संगठनों से धरना समाप्त करने का निवेदन कर चुके हैं। जहां एक ओर कृषि और किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने देश के किसानों के नाम 8 पन्नों का पत्र लिखकर सकारात्मक पहल की, वहीं गृहमंत्री अमित शाह ने व्यक्तिगत रूप से किसान संगठनों से मिलकर हल निकालने का सार्थक प्रयास किया है। 2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जब केंद्र में सरकार बनी, देश के किसानों को बदहाल स्थिति से खुशहाल स्थिति में लाने के लिए नये तरीके के साथ काम शुरू किया गया। देश के किसान की छोटी-छोटी दिक्कतों और कृषि के आधुनिकीकरण, उसे भविष्य की जरूरतों के लिए तैयार करने, दोनों पर एक साथ ध्यान दिया गया। विश्व के देशों के कृषि क्षेत्र में आई क्रांति के अनुभवों और स्थानीय परिस्थितियों को देखते हुए काम शुरू किया गया। सॉयल हेल्थ कार्ड, यूरिया की नीम कोटिंग, लाखों की संख्या में सोलर पंप, ये सब योजनाएं एक के बाद एक शुरू की गई।

आध्यात्म द्वारा सामाजिक सम्पोषण का स्वप्न

गिरीश्वर मिश्र

संन्यास को अक्सर दीन-दुनिया से दूर आत्मान्वेषण की गहन और निजी यात्रा से जोड़ कर देखा जाता है। मुक्ति की ऐसी उत्कट अभिलाषा स्वाभाविक रूप से मनुष्य को अंतर्यात्रा की ओर अग्रसर करती है। इस आम धारणा के विरुद्ध उन्नीसवीं सदी के अंत में जब भारत अंग्रेजों का गुलाम था एक अद्भुत चमत्कारी घटना हुई जिसने भारत के प्रसुप्त स्वाभिमान को जगाया और अंतर राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित किया। यह घटना थी भारत भूमि पर स्वामी विवेकानंद के रूप में एक ऐसी प्रतिभा का अवतरण जिसने संन्यास के समीकरण को पुनर्परिभाषित किया और आध्यात्म के सामाजिक आयाम को स्थापित किया। गुरुदेव श्री रामकृष्ण परमहंस के संस्पर्श से स्वामी विवेकानंद ने न केवल धर्म के अभ्युदय का मार्ग प्रशस्त किया अपितु भारत ही नहीं वैश्विक स्तर पर मानव जाति के लिए एक नए युग का सूत्रपात किया।

आध्यात्म को भारत की प्राण-धारा मानते हुए स्वामी जी ने अपना ध्यान मनुष्यता और मातृभूमि की ओर दिया। यह वह समय था जब आत्मविस्मृत भारतीय समाज कुरीतियों से विजड़ित तो था ही पाश्चात्य शिक्षा और सभ्यता के प्रति मुग्ध भी हो रहा था। ऐसे में अँग्रेजी जीवन पद्धति का अनुकरण तेजी से बढ़ रहा था। राजा राम मोहन राय, ईश्वर चंद्र विद्यासागर, केशव चंद्र सेन आदि के सुधार की परंपरा को आत्मसात करते हुए और अपेक्षित प्रतिरोध करते हुए स्वामी विवेकानंद ने समस्त भारतीय समाज के जागरण का बी?ा उठाया। उन्होने अकेले की नहीं अपितु समष्टि की मुक्ति को अपना जीवन-ध्येय बना लिया। मूलतः असंसारी प्रवृत्ति वाले योगी ने अपने परिव्राजक जीवन की दिशा लोक कल्याण की ओर मोड़ दी। मातृ-भूमि की उन्नति का प्रश्न उनके विचार के केंद्र में आ गया। उन्हें भारत की ज्ञान परंपरा का गौरव बोध तो था पर उसमें आने वाली रूढ़ियों और बाधाओं से मुक्ति की चिंता भी थी। हृदय में उठी वेदना उत्पीड़ितों के हित-साधन के लिए संकल्प और कर्म में प्रवृत्त होने के दृढ़ निश्चय के रूप में प्रतिफलित हुई। उनके विचार और कर्म में अतीत एवं वर्तमान तथा पूर्व और पश्चिम के ऊपरी अंतरों को भेद कर एक सम्पूर्ण मनुष्य की परिकल्पना आकार लेने को आतुर थी। उनकी कर्मठ दृढ़ता के आगे कोई भी कठिनाई टिक नहीं सकी।

अरबों खर्च के बावजूद अब तक निर्मल नहीं हुई गंगा

रजनीकांत शुक्ला

गंगा सिर्फ एक नदी नहीं है, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था का प्रतीक भी है। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा गंगा को स्वच्छ और निर्मल बनाने के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। इनमें प्रमुख नमामि गंगे परियोजना के तहत गंगा को स्वच्छ और निर्मल बनाने के लिए अरबों रुपये खर्च किए गए हैं, लेकिन हरिद्वार में गंगा की स्वच्छता का उद्देश्य धरातल पर उतरता नजर नहीं आ रहा है। वहीं नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने भी गंगा में गंदगी डालने से रोकने के लिए सख्त निर्देश दिए थे। बावजूद इसके गंगा में प्लास्टिक, पूजा के फूल, पुराने कपड़े और कूड़ा आदि डालने से लोग बाज नहीं आ रहे हैं, जिसका ही नतीजा है कि गंगा प्रदूषित होती जा रही है।

सनातन धर्म में गंगा का एक विशेष महत्व है। सनाधन धर्म में गंगा को मां का दर्जा दिया गया है। यही नहीं पौराणिक मान्यताओं के अनुसार गंगा में स्नान करने मात्र से ही सभी पाप धुल जाते हैं। यही वजह है कि सनातन धर्म से जु? लोगों में गंगा स्नान की बड़ी मान्यता है। वहीं, महाकुंभ के दौरान गंगा में स्नान करने का महत्व और भी ज्यादा ब? जाता है क्योंकि, कुंभ में मुख्य रूप से तिथि अनुसार शाही स्नान तय किए जाते हैं। जिस दौरान गंगा में स्नान करने से ब?ा पुण्य मिलता है। ऐसे में इस साल हरिद्वार में होने वाले महाकुंभ की तैयारियां जोरों-शोरों से चल रही है। लेकिन गंगा की स्वच्छता और निर्मलता पर बिल्कुल ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

कुछ दशकों पहले की बात करें तो गंगा अपने उद्गम स्थल गंगोत्री से हरिद्वार तक संकरी रास्तों से होकर आती थीं, लेकिन पिछले कुछ दशकों से गंगा का स्वरूप बदल गया और अब अपने उद्गम स्थल गंगोत्री से करीब 150 किलोमीटर दूर उत्तरकाशी तक ही संकरे रास्तों से होकर पहुंचती हैं और फिर उत्तरकाशी के बाद से ही गंगा का विस्तार हो जाता है। हालांकि, गंगा के बदले स्वरूप की मुख्य वजह मानव ही है। क्योंकि लगातार गंगा में हो रहे खनन के कारण ना सिर्फ गंगा का स्वरूप बदला है, बल्कि लगातार हो रहे पर्यावरण में बदलाव से गंगा नदी के तेज बहाव के चलते भी स्वरूप में बदलाव आया है। गंगा नदी को खुद मानव जाति ने बहुत अधिक प्रदूषित किया है क्योंकि इसका जीता जागता उदाहरण हाल ही का है, जब वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के चलते देशभर में लॉकडाउन लागू हो गया था। उस दौरान गंगा के निर्मलता और अविरलता को देखकर सभी हैरान हो गए थे, क्योंकि लॉकडाउन के दौरान गंगा नदी शीशे की तरह साफ और पारदर्शी हो गई थी। यानी कुल मिलाकर देखें तो जब गंगा नदी में आने वाली सभी गंदगी पूरी तरह से बंद हो गई थी, तो उस दौरान गंगा का स्वरूप कुछ और ही निकल कर सामने आया, लेकिन मौजूदा स्थिति यह है कि एक बार फिर गंगा नदी प्रदूषित नजर आ रही है।

वर्तमान स्थिति को देखें तो अभी फिलहाल गंगा अपने उद्गम स्थल गंगोत्री से हरिद्वार तक दैवीय गुणों से भरपूर है। लेकिन हरिद्वार के बाद से ही गंगा नदी की अविरलता और निर्मलता में काफी बदलाव आया है, क्योंकि पिछले कुछ दशकों से गंगा को प्रदूषित करने में मानव जाति ने कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। इसकी मुख्य वजह यह है कि गंगा नदी में ना सिर्फ सभी इंडस्ट्री के गंदे पानी को डाला जाता है, बल्कि कई जगहों पर सीवरेज भी इसी गंगा नदी में छोड़ा जाता रहा है, जिसके चलते हरिद्वार से आगे बहने वाली गंगा नदी प्रदूषित होती चली गई।

जितनी तेजी से हम आधुनिकता के युग में प्रवेश कर रहे हैं, उतनी तेजी से हम अपने नेचुरल रिसोर्सेज को भूलते जा रहे हैं। यही वजह है कि जहां कुछ दशकों पहले गंगा साफ-सुथरी और निर्मल हुआ करती थी, तो वहीं अब गंगा धीरे-धीरे प्रदूषित होती जा रही है, जिसकी मुख्य वजह यह है कि लोग एक सुंदर दृश्य के लिए गंगा किनारे ना सिर्फ अपना घर बना रहे हैं, बल्कि तमाम विकास कार्यों को भी अंजाम तक पहुंचाया जा रहा है। हालांकि, एक तरह से देखा जाए तो देश के विकास के लिए विकास कार्यों का होना जरूरी है, लेकिन इस विकास कार्य के दौरान सारा मलबा गंगा नदी में फेंका जाता है, जो सीधे तौर पर गंगा को प्रदूषित करती है।

गंगा सिर्फ एक नदी नहीं है, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था का प्रतीक भी है। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा गंगा को स्वच्छ और निर्मल बनाने के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। इनमें प्रमुख नमामि गंगे परियोजना के तहत गंगा को स्वच्छ और निर्मल बनाने के लिए अरबों रुपये खर्च किए गए हैं, लेकिन हरिद्वार में गंगा की स्वच्छता का उद्देश्य धरातल पर उतरता नजर नहीं आ रहा है। वहीं नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने भी गंगा में गंदगी डालने से रोकने के लिए सख्त निर्देश दिए थे। बावजूद इसके गंगा में प्लास्टिक, पूजा के फूल, पुराने कपड़े और कूड़ा आदि डालने से लोग बाज नहीं आ रहे हैं, जिसका ही नतीजा है कि गंगा प्रदूषित होती जा रही है।

नदी विशेषज्ञ सुरेश ने बताया कि पिछले कुछ सालों के भीतर राज्य और केंद्र सरकार ने गंगा नदी को बचाने के लिए तमाम प्रयास किए, लेकिन वह प्रयास सफल नहीं हो पाए। जिसकी मुख्य वजह है कि आज भी पहा?ी क्षेत्रों में घरों से निकलने वाला गंदा पानी, समेत अन्य कू?ा करकट गंगा नदी में ही फेंका जा रहा है। ऐसे में अगर इस पर लगाम नहीं लगाई जाती है तो गंगा नदी धीरे-धीरे ऐसे ही प्रदूषित होती रहेगी। हालांकि, जिस तरह से गंगा के चारों ओर सीमेंट की दीवारें बनाई जा रही हैं, उससे तमाम लोगों को रोजगार तो मिल रहा है, लेकिन गंगा के प्रदूषण, अतिक्रमण, शोषण और गंगा की निर्मलता-अविरलता के लिए जो सुझाव दिए गए हैं, उन सुझावों की ओर ध्यान देने की आवश्यकता है। नहीं तो एक समय ऐसा आएगा कि गंगा आचमन के लायक भी नहीं रहेगी।

नवंबर 2020 में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की एक रिपोर्ट के अनुसार हरिद्वार की विश्व प्रसिद्ध हरकी पैड़ी पर गंगाजल पीने के लायक नहीं है। हालांकि, गंगा जल में स्नान किया जा सकता है। हरकी पैड़ी समेत चार अलग-अलग स्थानों से लिए गए गंगा जल के सैम्पलों की जांच में पानी में टोटल क्लोरोफॉर्म बैक्टीरिया की मात्रा स्टैंडर्ड मानकों से अधिक पाई गई थी, जिसके चलते गंगा को इस क्षेत्र में बी श्रेणी का पाया गया था। वहीं, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार बी श्रेणी का पानी बिना फिल्टर के पीने लायक नहीं होता है। हालांकि, गंगाजल में ऑक्सीजन और बायोलॉजिकल ऑक्सीजन डिमांड का स्तर सही पाया गया था। इसके साथ ही नदी विशेषज्ञ सुरेश ने बताया कि गंगा नदी को अविरल और निर्मल बनाने के लिए जो प्रयास किए जा रहे हैं वह बहुत ही कमजोर प्रयास हैं, जिसके चलते गंगा नदी की अविरलता और निर्मलता को बरकरार रखना बहुत मुश्किल हो गया है। हालांकि, वर्तमान समय में गंगा का नाम लोगों के जुबान पर पहले से ज्यादा आया है, लेकिन गंगा के प्रति जो संवेदनशीलता और व्यवस्था होनी चाहिए उसके लिए समाज के बीच जन जागरण होने की आवश्यकता है। लिहाजा गंगा को स्वच्छ रखने के लिए गंगा के चारों ओर सघन वन के साथ ही इस बात पर जोर देना होगा कि गंगा में किसी भी प्रकार का प्रदूषण ना जाए।

भारत की विश्व-भूमिका

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

संयुक्तराष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद का भारत पिछले हफ्ते सदस्य बन गया है। वह पिछले 75 साल में सात बार इस सर्वोच्च संस्था का सदस्य रह चुका है। इसबार उसने इसकी सदस्यता 192 में से 184 मतों से जीती है। वह सुरक्षा परिषद के 10 अस्थाई सदस्यों में से एक है। उसे पांच स्थायी सदस्यों की तरह वीटो का अधिकार नहीं है लेकिन एक वजनदार राष्ट्र के नाते अबतक उसने एशिया और अफ्रीका की आवाज को जमकर गुंजाया है। इसबार सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि भारत के लिए यह है कि वह सुरक्षा परिषद की तीन कमेटियों का अध्यक्ष चुना गया है। अध्यक्ष के नाते उसके कई विशेषाधिकार होंगे। पहली कमेटी है, आतंकवाद-नियंत्रण, दूसरी कमेटी है, तालिबान-नियंत्रण और तीसरी कमेटी है, लीब्या-नियंत्रण। इन तीन में से दो कमेटियों का सीधा संबंध भारत से है। भारत की सुरक्षा से है। आतंकवाद-नियंत्रण कमेटी का निर्माण 2001 में न्यूयार्क के विश्व व्यापार केंद्र पर हमले के बाद हुआ था लेकिन यह कमेटी अभीतक तय नहीं कर सकी है कि आतंकवाद क्या है? यदि भारत की अध्यक्षता में आतंकवाद को सुपरिभाषित किया जा सके और उसके विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों को पहले से भी सख्त बनाया जा सके तो उसका अध्यक्ष बनना सार्थक सिद्ध होगा।

दूसरी कमेटी है, तालिबान को नियंत्रित करने के बारे में। अफगानिस्तान में शांति स्थापित करने की दृष्टि से उस कमेटी का बड़ा महत्व है। अफगानिस्तान आतंकवाद का गढ़ बन चुका है। अमेरिका में तो उसका हमला एक ही बार हुआ है लेकिन भारत तो उसका शिकार पिछले दो-ढाई दशक से लगातार होता रहा है। मेरे समझ में नहीं आता कि यह कमेटी क्या कर लेगी? वह तालिबान का बाल भी बांका नहीं कर सकती, क्योंकि अमेरिका उससे सीधे संवाद कर रहा है। इस संवाद में भारत की भूमिका एक दर्शक-मात्र की है जबकि अफगानिस्तान में उसकी भूमिका अत्यधिक अर्थवान होनी चाहिए।

तीसरी कमेटी है, लीब्या-नियंत्रण कमेटी। इस कमेटी ने लीब्या पर तरह-तरह के प्रतिबंध लगा रखे हैं। जैसे हथियार-खरीद पर पाबंदी, उसकी अंतरराष्ट्रीय संपत्तियों और लेन-देन पर प्रतिबंध आदि! पश्चिम एशिया की अस्थिर राजनीति में इस कमेटी की भूमिका काफी महत्वपूर्ण होगी। सबसे बड़ी बात यह है कि भारत को सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनना चाहिए ताकि उसे भी चीन की तरह वीटो का अधिकार मिले और वह अपनी वैश्विक भूमिका को ठीक से निभा सके।

राख का हर एक कण मेरी गर्मी से गतिमान है मैं एक ऐसा पागल हूं जो जेल मे... ...

- भगत सिंह

तो क्या अबकी बार बर्ड फ्लू भी लाये हैं मेहमान पक्षी?

संभावित खतरों से निपटने को केंद्र व राज्य सरकार ने शुरू किये बन्दोबस्त

विवेक पाण्डेय

लखनऊ (क्राइम रिव्यू) । तो क्या इस बार मेहमान पक्षी एवियान इन्फ्लूएंजा यानि बर्ड फ्लू लेकर आये हैं। बेशक अगर प्रभावित देशों से परिंदे संक्रमित होकर यहां आए तो कोई शक नहीं है कि राज्य के पक्षियों व मानव स्वास्थ्य को भी इससे खतरा पैदा हो सकता है।

दरअसल एशिया का बड़ा हिस्सा इस समय बर्ड फ्लू की मार झेल रहा है। देश कई प्रदेशों के साथ उत्तर प्रदेश में भी बर्ड फ्लू ने दस्तक दे दी है। कानपुर में बर्ड फ्लू की पुष्टि होने के बाद प्रदेश की राजधानी लखनऊ में रविवार को माल और रहीमाबाद के गांवों में आधा दर्जन कौवे मृत पाए गए। बर्ड फ्लू की आशंका में इनके नमूने प्रयोगशाला भेजे गए हैं, जिसकी रिपोर्ट तीन दिन बाद आएगी। लखनऊ के अलावा रायबरेली,अमेठी और बस्ती, सोनभद्र में भी कुछ पक्षी मृत पाए जाने से हड़कंप मचा रहा। हालांकि इन पक्षियों की मौत बर्ड फ्लू से होने की पुष्टि अभी नहीं हुई है। मगर भविष्य के खतरों से जूझना अब भी चुनौती बना हुआ है।

नवंबर में शुरू हो जाती है मेहमान पक्षियों की आमद

सात समुंदर पार से पक्षी विहारों, जलाशय और नदियों में आने वाले प्रवासी पक्षी इसके वाहक हो सकते हैं। नवंबर शुरू होते ही इन पक्षियों की आमद शुरू हो जाती है। दिसम्बर माह के अंत तक बड़ी तादाद में मेहमान पक्षी देश के विभिन्न क्षेत्रों आ जाते हैं। इस संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता है कि यह मेहमान पक्षी उन देशों से भी आये होंगे, जहां बर्ड फ्लू फैला हुआ है।

घरेलू पक्षियों में भी संक्रमण का खतरा ज्यादा

माइक्रोबायोलॉजी के विज्ञानियों के मुताबिक बर्ड फ्लू से प्रभावित देशों से प्रवासी पक्षियों की आमद होने पर घरेलू पक्षियों में भी संक्रमण का खतरा ज्यादा है। झील व जलाशयों खासकर पोल्टी फॉर्म के पास स्थित मानव बस्ती में मुर्गी, मुर्गियां, बत्तखो व अन्य पालतू पक्षियों के खून के नमूनों की नियमित जांच की जानी चाहिए। बाहर से आयातित पोल्ट्री पर भी सख्ती से रोक लगाया जाना चाहिए। बरहाल देश में मात्र भोपाल की प्रयोगशाला में ही इस भयानक वायरस की जांच होती है इसलिए एहतियात जरूरी है।

संक्रमित पक्षी बनते हैं वायरस के वाहक

विशेषज्ञों के मुताबिक इसके बर्ड टू बर्ड व पक्षियों से मनुष्य में फैलने के तमाम जरिए हैं। यदि मेहमान पक्षी संक्रमित है तो उनके इधर उधर जाने पर वे वायरस के वाहक बनेंगे। ऐसे में यदि उनकी बीट नदियों या तालाबों पर गिरी तो वहां तैर रही बत्तखों को भी खतरा होगा। ऐसा पानी बाहरी क्षेत्रों को भी जाता है, इससे खतरा बढ़ता ही चला जाता है। विज्ञानियों के मुताबिक वायरस से बचाव को यह ध्यान में रखना नितांत जरूरी है यदि कोई पक्षी ऐसे लक्षणों की वजह से मरता है तो उसे नंगे हाथों के बजाय दस्ताने पहनकर ही उठाना चाहिए। प्रदेश के प्रमुख सचिव पशुपालन भुवनेश कुमार ने कहा है कि अब तक प्रदेश में कानपुर में दो पक्षियों में बर्ड फ्लू के संक्रमण की पुष्टि हुई है। लखनऊ में मृत मिले पक्षियों के सैंपल भोपाल भेजे गये हैं। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों से पक्षियों के होने वाले व्यापार पर रोक लगा दी गई है। सर्विलांस जारी है। उन्होंने आम लोगों से अपील की है कि कहीं भी अगर पक्षियों के मृत मिलने की जानकारी हो तो वे पशुपालन अधिकारियों को सूचित करें। साथ ही स्थानीय प्रशासन को भी बताएं।

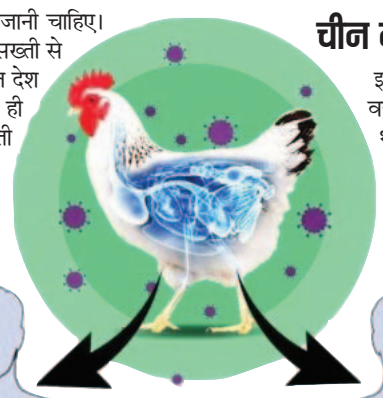

चिड़ियाघर प्रबंधनों को दैनिक रिपोर्ट भेजने के निर्देश

केंद्र सरकार ने बर्ड फ्लू फैलने की आशंका को देखते हुए चिड़ियाघर प्रबंधनों को निर्देश दिया है कि वे केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (सीजेडए) को दैनिक रिपोर्ट भेजें और ऐसा तब तक जारी रखें जब तक कि उनके इलाके को रोगमुक्त घोषित नहीं कर दिया जाता। यह भी कहा गया है कि चिड़ियाघर में आने वाले सभी वाहनों को सैनिटाइज किया जाए। जू के भीतर सभी जलाशयों पर निगरानी रखी जाए।

चीन में आया था इस वायरस का पहला मामला

इस वायरस का पहला मामला चीन में 1996 में सामने आया था। वहीं 1997 में हांगकांग में कुछ लोगों में इस संक्रमण की पुष्टि हुई थी। इसके बाद अफ्रीका, एशिया, यूरोप और मध्य पूर्व में 50 से अधिक देशों में बर्ड फ्लू के मामले सामने आए। बांग्लादेश, चीन, भारत, इंडोनेशिया और वियतनाम में इस वायरस का प्रकोप अधिक रहता है।

भारत में इंसानों में बर्ड फ्लू का अभी तक कोई मामला नहीं

भारत में अभी तक इंसानों में बर्ड फ्लू का एक भी मामला सामने नहीं आया है। पशु विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, साल 2006 से लेकर 2015 तक 15 राज्यों में पोल्ट्री में एच-5 एन-वन बर्ड फ्लू के 25 मामले पाए गए। मालूम हो कि देश में पहली बार महाराष्ट्र और गुजरात में 2006 में बर्ड फ्लू के मामले सामने आए थे।

हवा से मनुष्य को अपनी चपेट में लेता यह वायरस

बिंदास व रंग बिरंगी दिखने वाली कोई भी प्रवासी चिड़िया बर्ड फ्लू के खतरनाक एच-5 एन1 वायरस का वाहक हो सकती है। इसलिए यहां भी बर्ड फ्लू का खतरा बढ़ गया है। इसके वायरस हवा के जरिए मनुष्य को भी अपनी चपेट में ले लेते हैं। ऐसे में हालात की गंभीरता को देखते हुए केंद्र सरकार ने राज्यों को इसके बचाव के लिए हाई अलर्ट कर दिया है। ऐसे में परिंदों के जरिए आने वाले इस संभावित खतरों से निपटने के लिए प्रदेश सरकार ने भी बंदोबस्त शुरू कर दिए।

एच 5- एन-वन वायरस ज्यादा घातक

एवियान इन्फ्लूएंजा के 15 घटकों में से एच5 एन वन वायरस सबसे ज्यादा घातक व तीव्र गति से फैलने वाला होता है। वैज्ञानिकों के मुताबिक सामान्यतः पक्षियों की तुलना में वायरस यूं तो मनुष्यों को कम ही संक्रमित करता है लेकिन पोल्टी फार्म में निवास करने व उनके ज्यादा संपर्क में रहने वालों के लिए यह ज्यादा घातक भी साबित होता है। खासकर मनुष्य से मनुष्य में होने वाला इन्फ्लूएंजा खतरनाक परिणाम देता है। विज्ञानी इस वायरस से बचाव को फेस मास्क व दस्तानों के प्रयोग को बेहतर मानते हैं। इस पर हुए शोध कार्यों पर अगर नजर दौड़ाये तो बर्ड फ्लू के एच वन, एच फाइव, सेवन व एच नाइन सरीखे 15 वायरसों का पता चला है। इसमें एच फाइव-एन वन में आक्रामक करने की क्षमता काफी तीव्र होती है।

गवाही के लिए कोर्ट में हाजिर न होने पर एसीपी चौक को गिरफ्तार करने के आदेश, वेतन भी रोका गया

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। लूट और हत्या के मामले में गवाही देने से बच रहे चौक के एसीपी इंद्रप्रकाश सिंह का वेतन रोकने और उन्हें गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करने का आदेश एससी-एसटी एक्ट के विशेष न्यायाधीश मो. गजाली ने दिया है। मामले की अगली सुनवाई 18 जनवरी को होगी।

कोर्ट ने आदेश में कहा कि चिनहट थाने में वर्ष 2008 में हत्या, लूट, साक्ष्य छिपाने और बरामदगी के मामले में वर्तमान एसीपी चौक ने कोर्ट में हाजिर होकर एक जनवरी 2019 को बयान दर्ज कराए थे। उनसे बचाव पक्ष द्वारा जिरह की जानी थी। कोर्ट के बयान दर्ज करने के लिए लगातार बुलाने के बावजूद एसीपी कोर्ट में हाजिर नहीं हो रहे हैं। इस पर अदालत ने पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर कहा कि एसीपी का वेतन तत्काल प्रभाव से रोकने का पत्र वरिष्ठ कोषाधिकारी को भेज गया है। इसके अलावा उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया जाता है। कोर्ट ने कमिश्नर से कहा कि वह अपने स्तर से मामले को देखें और 18 जनवरी को एसीपी की गवाही दर्ज कराने के लिए उन्हें गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करें।

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा : कब तक भरेंगे सीआईसी का पद? तलब किया जवाबी हलफ़नामा

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने राज्य सरकार से पूछा है कि प्रदेश के मुख्य सूचना आयुक्त (सीआईसी) के पद पर तैनाती की प्रक्रिया कितने समय में पूरी होगी। कोर्ट ने सीआईसी का पद जल्द भरने के आग्रह वाली याचिका पर सरकारी वकील को दो हफ्ते में इस सम्बन्ध में जवाबी हलफ़नामा दाखिल करने को कहा है।न्यायमूर्ति आलोक सिंह और न्यायामूर्ति करुणेश सिंह पवार की खंडपीठ ने यह आदेश ऐक्टिविस्ट नूतन ठाकुर की याचिका पर दिया। याची ने राज्य सरकार को सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए निर्देशों का पूर्ण पालन करते हुए यथाशीघ्र मुख्य सूचना आयुक्त की रिक्ति भरने के निर्देश देने की गुजारिश की है। राज्य सरकार के अपर मुख्य स्थायी अधिवक्ता एचपी श्रीवास्तव ने कहा कि मुख्य सूचना आयुक्त के लिए 3 नवम्बर 2020 को नया विज्ञापन जारी किया गया है। सरकारी वकील ने मामले में लघु शपथपत्र दाखिल करने को दो हफ्ते का समय दिए जाने का आग्रह किया, जिसे मंजूर करते हुए कोर्ट ने उन्हें यह समय देते हुए कहा कि वे हलफनामा दे कर बताएं कि यह नियुक्ति कितने दिनों में पूरी कर ली जाएगी। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई दो सप्ताह बाद नियत की है।

एफआईआर के लिए सीधे हाईकोर्ट में याचिका नहीं

लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय (हाईकोर्ट) की लखनऊ खंडपीठ ने अपने एक फैसले में कहा है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफ़आईआर) दर्ज कराने की मांग को लेकर सीधे उच्च न्यायालय में याचिका नहीं दाखिल की जा सकती है। अदालत ने कहा कि पुलिस द्वारा संज्ञेय अपराध की शिकायत न दर्ज करने पर भी पीड़ित व्यक्ति के पास मजिस्ट्रेट के समक्ष जाने का विकल्प है। न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति चन्द्रधारी सिंह की बेंच ने वसीम हैदर की याचिका पर यह आदेश पारित किया।

याचिका में फर्जी बैनामा के एक मामले में एफआईआर दर्ज करने का निर्देश पुलिस अधिकारियों को देने की मांग की गई थी। अदालत ने एफआईआर दर्ज कराने की मांग वाली याचिकाओं की बढ़ती संख्या पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि दंड प्रक्रिया संहिता में इस बात का प्रावधान है कि पुलिस अधिकारी द्वारा संज्ञेय अपराध में एफआईआर दर्ज करने से इंकार करने पर किन उपायों को अपनाया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि उक्त प्रावधानों में दिये गए उपायों को न अपना कर सीधा हाई कोर्ट में रिट याचिकाएं दाखिल कर दी जा रही हैं। अदालत ने आगे कहा, ÷एफआईआर दर्ज करने से इनकार होने पर शिकायतकर्ता को स्वतः रिट याचिका इस बात के लिए दाखिल करने का अधिकार नहीं प्राप्त हो जाता है कि अदालत परमादेश जारी करते हुए पुलिस अधिकारी को उसके वैधानिक दायित्व का निर्वहन करने के लिए बाध्य करे।÷ अदालत ने कहा कि एक संज्ञेय अपराध में एफआईआर न दर्ज होने की स्थिति में शिकायतकर्ता मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रार्थना पत्र दाखिल कर सकता है।

पंचायत चुनाव का बज गया बिगुल रुझानों को शुरू हो गई चरण वंदना

प्रियंका मिश्रा

लखनऊ (क्राइम रिव्यू)। ग्राम पंचायतो में प्रधानों का कार्यकाल खत्म होते ही एक के बाद एक प्रधान पद का उम्मीदवार चुनावी बिगुल के साथ मतदाताओं को रिझाने के प्रयास में लग गया है । सम्भावित उम्मीदवार मतदाताओं की खूब चरण वंदना कर रहे हैं।

बताते चले कि 25 दिसंबर को ग्राम पंचायत प्रधानों का कार्यकाल समाप्त हो चुका है। मलिहाबाद खंड विकास की ग्राम पंचायतों में लगातार चुनावी घमासान देखने को मिल रहा है पंचायत के चुनाव में प्रत्याशी मतदाताओं को रिझाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहें है मतदाताओं से इस कदर भरत मिलाप की तरह गिले-शिकवे दूर किए जा रहे हैं जैसे कोई सगे संबंधी आपस में रूठ जाते हैं रोज इसी तरीके का नजारा मलिहाबाद खंड विकास की ग्राम पंचायतों में सुबह शाम दिखाई पड़ रहा है मतदाताओं का कहना है कि कि मुझे इस बात की खुशी मिलती है कि हर 5 साल के बाद हमें पंचायत का प्रतिनिधित्व करने वाले का चुनाव के लिए मौका मिलता है अगर मौका ना मिलता होता तो आज हम मतदाताओं की की चौखट पर पर तो आना दौर दूर की बात है जीतने के बाद वापस ही न दिखाई देते ।

शान शौकत छोड़ फिर चले मतदाताओं की चौखट

कई ग्राम पंचायत की महिलाओं का कहना है कि जब वर्तमान प्रधानों के घर जाते थे तो तो प्रधान जी पता चलता था कि लखनऊ से एक हफ्ता हुआ वापस ही नहीं आए हैं पर अब तो लखनऊ शहर की शान शौकत को छोड़ कई महीने पहले से ही मतदाताओं की चौखट पर नमस्कार करते देखे जा सकते हैं।मतदाताओं का कहना है कि पंचवर्षीय बेला अब समाप्त हो चुकी है। अब पूर्व प्रधान सहित आने वाले नए प्रत्याशी एक ही कतार में हैं। सभी प्रत्याशियों द्वारा मतदाताओं के चरण वंदना देखी जा सकती है। जो कभी अपने कार्यकाल में अपने अपने कार्यालय में नहीं मिलते थे वही अब मतदाताओं के द्वार पर हाजिरी देखे जा सकते हैं।

जाति समीकरण साधने की कोशिश

पिछले पंचायत चुनाव में जहाँ हर वर्ग व जाति का वोटर जाति समीकरण को न देख कर केवल अच्छे प्रत्याशी को वोट करने के लिए मतदाताओं द्वारा बढ़ चढ़ कर वोट डाला जाता था लेकिन इस बार प्रत्याशी जाति समीकरण को साधने की पूरी कोशिश में लगे हुए हैं।

बुलाएंगे अपने खर्चे पर मतदाताओं को : पंचायत चुनाव में कोई भी प्रत्याशी अपनी तरफ से कोई भी कसर छोड़ने को तैयार नहीं है जो मतदाता अलग-अलग राज्यों में काम करने के लिए गए हैं उनको प्रत्याशी अपने खर्चे पर वोट डालने के लिए बुलाएंगे ।

निर्वाचन आयोग ने उम्मीदवारों के लिए निर्धारित किया चुनावी खर्च

75 हजार से ज्यादा नहीं खर्च कर सकेंगे प्रधान प्रत्याशी

लखनऊ। राजधानी में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की कवायद तेज हो गई है। निर्वाचन आयोग ने उम्मीदवारों के लिए चुनावी खर्च से लेकर उनकी जमानत राशि भी तय कर दी है। ग्राम प्रधान पद के प्रत्याशी जहां चुनाव प्रचार में अधिकतम 75 हजार खर्च कर सकेंगे, वहीं जिला पंचायत सदस्य (डीडीसी) के चुनावी खर्च की सीमा डेढ़ लाख होगी। इसके साथ ही उम्मीदवारों की जमानत राशि भी निर्धारित की गई है, हालांकि अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग व महिला उम्मीदवारों को सामान्य उम्मीदवारों की अपेक्षा जमानत की राशि आधी जमा करनी होगी।

चार हजार तक होगी जमानत की धनराशि

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में ग्राम पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य (बीडीसी) और जिला पंचायत सदस्य (डीडीसी(का चुनाव होना है। निर्वाचन आयोग ने ग्राम पंचायत सदस्य के उम्मीदवार के लिए जमानत की राशि 500 रुपये ग्राम प्रधान पद और बीडीसी उम्मीदवार के लिए दो दो हजार और डीडीसी उम्मीदवार के लिए चार हजार जमानत की राशि निर्धारित की है। इसके अलावा ग्राम पंचायत सदस्य के उम्मीदवार के लिए नाम निर्देशन फार्म का मूल्य 150 ग्राम प्रधान पद और बीडीसी उम्मीदवार के लिए तीन 300 और डीडी सी उम्मीदवार के लिए 500 रुपये तय किया गया है।

10 हजार से डेढ़ लाख तक कर सकेंगे खर्च : त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में प्रचार प्रसार के लिए निर्वाचन आयोग ने लक्ष्मण रेखा खींच दी है। ग्राम पंचायत सदस्य के लिए उम्मीदवार 10 हजार, ग्राम प्रधान और बीडीसी उम्मीदवार 75-75 (डीडीसी) उम्मीदवार डेढ़ लाख रुपए चुनाव प्रचार में खर्च कर सकेंगे। यह व्यवस्था अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, और महिला के उम्मीदवारों पर भी लागू होगी। विशेष परिस्थिति में नकद जमा हो सकेगी राशि उम्मीदवारों को नाम निर्देशन पत्र नकद की लेना होगा। जबकि जमानत की धनराशि ट्रेजरी में चालान के लिए जमा की जाएगी। हालांकि विशेष परिस्थिति में नामांकन के दिन या उससे पूर्व में जमानत की धनराशि नकद भी जमा की जा सकेगी। निर्वाचन अधिकारी इसकी रसीद भी उम्मीदवार को देंगे।

चार पर्चे भर सकेंगे उम्मीदवार : त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए उम्मीदवार अधिकतम चार पर्चे दाखिल कर सकेंगे। नाम निर्देशन पत्र के साथ आयोग की ओर से निर्धारित ब्यौरा देना होगा। हालांकि अगर सदस्य ग्राम पंचायत का उम्मीदवार है तो उसे सिर्फ घोषणा पत्र ही लगाना होगा।

जानकीपुरम में शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। जानकीपुरम के जानकी बिहार में स्थित एक घर में मंगलवार की शाम को शार्ट सर्किट से आग लग गई। आग लगने की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने तीन दमकल की गाड़ियों की मदद से करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट-सर्किट से आग लगने की बात सामने आ रही है।

इंस्पेक्टर जानकीपुरम रणजीत सिंह भदौरिया ने बताया कि जानकी बिहार निवासी रंजीत सिंह अपनी पत्नी नीतू सिंह, बेटा विजयंत राज सिंह, मां संतोष देवी व ऋचा सिंह, राजश्री के साथ रहते हैं। रंजीत बिल्डिंग मटेरियल सप्लाई का काम करते हैं। पीड़ित के अनुसार दोपहर करीब दो बजे उन्हें सूचना मिली कि घर की पहली मंजिल पर आग लग गई है। वह उस वक्त हजरतगंज में थे। आनन फानन में वह घर पहुंचे तो देखा कि पहली मंजिल पर बना भाई का कमरा व आसपास का एरिया पूरी तरह जलकर खाक हो चुका है। घर के अंदर के सभी कमरों में धुवां भरा गया था। रंजीत सिंह ने बताया कि आग से करीब 25 से 30 लाख रूपये का नुकसान हुआ है।

दमकल की तीन गाड़ियों ने आग पर पाया काबू

फायर अधिकारी प्रभाकर तिवारी ने बताया कि आग शार्ट सर्किट से लगी थी। पहली मंजिल के कमरें से आग की लपटें निकल रही थी। उनकी टीम के लीडिंग मैन हरीश चंद्र, शैलेन्द्र तिवारी, शैलेन्द्र सिंह, गार्ड राम लखन सिंह, बिहारी यादव व चालक मुनेश्वर पाण्डेय ने कड़ी मशक्कत कर करीब डेढ़ घंटे में आग पर काबू पाया।

जानकीपुरम में करंट से मजदूर झुलसा

क्राइम रिव्यू

लखनऊ । जानकीपुरम में मकान की पहली मंजिल पर शटरिंग का कार्य कर रहा मजदूर 11 हजार केवी की चपेट में आने से झुलस गया। सूचना पर बिजली विभाग, पुलिस व बीकेटी फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची। पुलिस ने 108 एम्बुलेंस की मदद से मजदूर को सिविल के बर्न विभाग में भर्ती कराया। जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

इंस्पेक्टर जानकीपुरम रणधीर सिंह भदौरिया ने बताया कि थाना क्षेत्र के तिवारीपुर के पास गुड्डु गुप्ता के घर का निर्माण कार्य चल रहा है। बताया जा रहा है कि यहां सीतापुर के बौना भारी, मनवा चौकी सिधौली निवासी बीरेन्द्र कुमार (45) शटरिंग लगा रहा था। सुबह करीब 11 बजे घर के पहली मंजिल पर शटरिंग लगाने के दौरान बीरेन्द्र घर के सामने से निकल रही 11 हजार केवी लाइन की चपेट में आ गया। घटना से बीरेन्द्र के दोनों पैर झुलस गए। गंभीर घायल बीरेन्द्र को पुलिस ने 108 की मदद से सिविल अस्पताल में भर्ती कराया है। वही शटरिंग ठेकेदार सूचना के बाद भी मौके पर नहीं पहुंचा।

कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने वित्त मंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के बैनर तले प्रदेश के व्यापारियों का 4 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को केंद्रीय जीएसटी के मुख्य आयुक्त अजय दीक्षित से अशोक मार्ग स्थित कार्यालय में मिला तथा वित्त मंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा।

कैट के प्रांतीय चेयरमैन एवं उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा जीएसटी लागू करते समय केंद्र सरकार ने जीएसटी एक सरल प्रणाली है कि बात कह कर लागू किया था, किंतु अब तक 1000 से अधिक संशोधन और नए प्रावधान इस में जोड़े जा चुके हैं। जिससे जीएसटी प्रणाली मकड़ी के जाले की तरह उलझती जा रही है जैसे एक वाहन एक दिन में कम से कम 100 किलोमीटर चलने का प्रावधान पहले था अब उस की जगह 200 किलोमीटर कर दिया गया है ,200 किलोमीटर वाहन के ना चलने की स्थिति में ई वे बिल निरस्त हो जाएगा। यह नियम लागू होने से व्यापारियों को असुविधा हो रही है। इसी प्रकार से नियम 21, 22 के अंतर्गत अधिकारी के पास व्यापारी का जीएसटी पंजीयन निरस्त करने का अधिकार आ गया है, जो व्यापारियों के उत्पीड़न का कार्य करेगा उन्होंने कहा सर्विस सेक्टर के व्यापारियों को उसी माह भुगतान करना पड़ता है जबकि उन्हें भुगतान बाद में मिलता है अतः चालान भोले की तिथि से कर के भुगतान का प्रावधान होना चाहिए तथा जीएसटी में ब्याज की दर 18 फीसदी है जो कि बहुत ज्यादा है उसके स्थान पर 8 से 12फीसदी तक होना चाहिए। इसके अतिरिक्त अन्य अनेक विषय शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल में कनफेडरेशन के राष्ट्रीय सचिव एवं उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज अरोड़ा, कैट के प्रदेश महामंत्री एवं आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश सचिव अशोक बाजपेयी, कानपुर के महामंत्री विनय चावला शामिल थे।

जीएसटी की विसंगतियों के संशोधन हेतु केंद्रीय जी एसटी के मुख्य आयुक्त से की मुलाकात

अमौसी एयरपोर्ट पर पकड़ा गया 10.50 लाख का सोना

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। जेद्दा से बिना सीमा शुल्क चुकाए चोरी छुपे करीब साढ़े दस लाख रुपए कीमत का सोना लेकर लखनऊ पहुंचे एक यात्री को कस्टम अधिकारियों ने राजधानी के चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर मंगलवार को धर दबोचा। कस्टम अधिकारियों ने बरामद सोना जब्त कर लिया है और आगे की जांच जारी है। राजधानी लखनऊ के अमौसी स्थित चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर तैनात कस्टम उपायुक्त निहारिका लाखा के मुताबिक मंगलवार अपराह्न करीब 2 बजे जेद्दा से लखनऊ पहुंचे गो एयर विमान (जी8- 6876) के यात्रियों की एयरपोर्ट पर जांच की जा रही थी। तभी एक यात्री के पास से करीब 200 ग्राम सोना बरामद हुआ। उक्त यात्री ने कुछ सोने को अपने हैंडबैग में छल्ले और रिंग के रूप में ढालकर छुपा रखा था। जबकि कुछ सोने को बैग के अंदर रखे हुए था। जांच के दौरान बरामद सोने के बारे में जब यात्री को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की गई, तो वह ना तो सोने के बारे में कोई सही जवाब दे सका और ना ही उससे संबंधित कागजात उपलब्ध करा सका। निहारिका लाखा के मुताबिक यात्री उक्त सोने को बिना सीमा शुल्क चुकाए ही चोरी छुपे यहां लेकर पहुंचा था। किस्टम अधिकारियों के मुताबिक बरामद सोने की कुल कीमत 10 लाख 41 हजार 40 रुपये है।

हमारा देश एक मन्दिर है और हम इसके पुजारी, हमे राष्ट्रदेव की पूजा में खुद को समर्पित कर देना चाहिए।
– अटल बिहारी बाजपेयी

अवैध निर्माण करने वालों को संरक्षण देकर

मुख्यमंत्री की छवि धूमिल कर रहे हैं जिम्मेदार

पड़ताल

एलडीए में अवैध रूप से बन रही इमारतों की संख्या हजारों में हैं। लेकिन कार्रवाई के नाम पर अधिकारी हमेशा खानापूर्ति कर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं। जिसके चलते शहर में सैकड़ों अवैध इमारते एलडीए की मिलीभगत से खड़ी हो गयी हैं। शहर में अवैध रूप से बन रहे अपार्टमेंट और अन्य बिल्डिंग्स की संख्या हजारों में हैं। लेकिन पिछले पांच सालों में अवैध निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई के नाम पर सिर्फ गिनी चुनी बिल्डिंग्स पर ही एलडीए का हथौड़ा चल सका। जो कि अवैध निर्माण की फेहरिस्त को कहीं से कम करता हुआ नहीं दिखा। शायद यही कारण है कि शहर का अनियोजित ढंग से विकास होता चला जा रहा है, जिसका खामियाजा शायद हमें आने वाले सालों में उठाना ही पड़ेगा।

जोन 5 में कई अवैध निर्माण के पीछे सहायक अभियंता एसएन प्रसाद का है हाथ

नईम व अन्य द्वारा श्री साईं हॉस्पिटल के निकट कराए गए अवैध निर्माण से आवागमन पूर्णता बाधित। आम नागरिक का जीवन अस्त-व्यस्त।

अधिशाषी अभियंता जोन-5 के.के. बंसला द्वारा बताया गया की आपके द्वारा संज्ञान में लाया गया है, मैं खुद मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करूंगा।

आवासीय प्लॉट पर बन रहे अवैध अपार्टमेंट शहजादे कलीम का सील होने के बावजूद बिजेंद्र सिंह जेई से सांठगांठ कर बनकर तैयार

लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष/ जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश का कॉल हर बार आवासीय नंबर पर डायवर्ट

आवासीय प्लॉट पर अपार्टमेंट का अवैध निर्माण

ध्वस्त करवाए हुए अवैध निर्माण को सहायक अभियंता एसएन प्रसाद ने सांठगांठ कर पुनः कराया अवैध निर्माण। शपथ पत्र पर शिकायत करने के बावजूद कार्रवाई नहीं।

आवासीय प्लॉट पर अवैध निर्माण सील होने के बावजूद संपन्न

मैं ऐसे धर्म को मानता हूं जो स्वतंत्रता, समानता और भाईचारा सिखाता है।
- डॉ. भीम राव अम्बेडकर

हमारे देश का युवा विवेकानंद हो जाएं

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। राजाजीपुरम के एफ ब्लॉक स्थित देश भारती इंटर कालेज में मंगलवार को विवेकानंद जयंती मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के उप प्रबंधक एवं कवि मनुव्रत वाजपेयी ने विवेकानन्द के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर विवेकानंद को समर्पित पंक्तियों

प्रगति के रास्तों से देश का अनुबंध हो जाये,
हृदय में पल रहे जो द्वंद सारे बंद हो जाये।
अगर सब लोग वंदेमातरम का गीत गा दे तो,
हमारे देश का यौवन विवेकानंद हो जाये।

के जरिये लोगों को विवेकानंद के जीवन से प्रेरणा लेने का संकल्प दिलाया। इस मौके पर विद्यालय में निबंध प्रतियोगिता, लेखन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। जिसमें कक्षा-12 की अनन्या मिश्रा को सर्वश्रेष्ठ निबंध लिखने के लिए एवं नूर जहाँ को सर्वश्रेष्ठ लेखन के लिए पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में संस्था की इंचार्ज रेखा मिश्रा, मिथलेश वाजपेयी, सुशीला परिहार, जय व्रत वाजपेयी व शिक्षकगण मौजूद रहे।

विवेकानन्द ने अध्यात्म को सामाजिक सरोकारों से जोड़ा

कुंवर प्रताप सिंह

लखनऊ (क्राइम रिव्यू)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर स्वामी विवेकानन्द जयंती पर मंगलवार को उत्तर विधानसभा क्षेत्र के लाला लाजपत राय वार्ड 59 में युवा घेरा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में सपा के युवा नेता शैलेन्द्र वर्मा ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द ऐसे संत थे, जिन्होने अध्यात्म को सामाजिक सरोकारों से जोड़ा था। उनके राष्ट्रवाद में गरीबों, वंचितो के प्रति त्याग, सेवा और समर्पण को प्राथमिकता थी। उन्होने विश्व में भारतीय ज्ञान संस्कृति एवं गौरव का बोध कराया। कार्यक्रम में नौजवानों के लिए रोजगार के घटते अवसर बढ़ती बेरोजगारी, मंहगी शिक्षा, छात्र संघ के चुनावों पर रोक, आनलाइन शिक्षा की दिक्कतें, छात्रों पर फर्जी अपराधिक मुकदमों के साथ बदहाल कानून व्यवस्था में बहन बेटियों के साथ बढ़ती घटनाओं पर चर्चा की गई। इस अवसर पर समाजवादी युवजन सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास यादव, नगर अध्यक्ष सुशील दीक्षित, नगर महासचिव सौरभ यादव, प्रदेश सचिव दीपक रंजन, सुजीत राजपूत, पवन राजपूत, शुभम राजपूत ,शिव शंकर राजपूत, प्रशांत यादव, संदीप यादव समेत ब?ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आध्यात्म और युवा शक्ति मिलकर भारत को दुनिया का सिरमौर बनाएं

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। आध्यात्मिकता और युवाशक्ति मिलकर ही भारत को दुनिया का सिरमौर बना सकते हैं। स्वामी विवेकानंद युवाओं के ही नहीं पूरे भारत के स्फूर्तिदाता हैं। भारत के स्वाभिमान को जाग्रत कर उन्होंने दुनिया में आध्यत्मिक वैभव और मानवीय मूल्यों की पुनर्स्थापना की। उन्होंने वशुधैव कुटुंकम का सन्देश देकर पूरी दुनिया को भारतीय दृष्टिकोण से परिचय कराया। उक्त विचार उत्तर प्रदेश के पूर्व लोकायुक्त जस्टिस वर्मा ने राष्ट्रीय युवा दिवस पर केजीएमयू अब्दुल कलाम सेंटर में गाइड समाज कल्याण संस्थान एवम केजीएमयू कम्युनिटी आई बैंक के सह तत्वाधान में स्वामी विवेकानंद युवा सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर बोलते हुए कहे। उन्होंने आगे कहा कि युवाओं के विवेकानंद की तरह लक्ष्य बनाकर उसके लिए उसके लिए अनथक, अविचल, अविराम संघर्ष के लिए जुटना होगा। राष्ट्र निर्माण के लिए व्यक्ति निर्माण बहुत जरूरी है। व्यक्ति निर्माण के लिए चरित्र, कृतित्व और व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया है जिसे पूरा करना आवश्यक है। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं को हमेशा मुस्कुराते रहने, अच्छे कार्यों की सराहना करने, व्यक्तिगत अवमानना न करने और हमेशा अधिकतम श्रेष्ठतम नतीजे देने का प्रयास करने के चार मूलमंत्र दिए।

गाइड समाज कल्याण संस्थान की निदेशक और कार्यक्रम की मुख्य संयोजक डॉ. इंदु सुभाष ने युवायों को कथानक व्याकरण समझे तो सुरभित हो तो छंद होजाए , युवा पीढ़ी अगर सम्भले तो विवेकानद हो जाए पंक्तियो से उन्हें मानव सेवा माधव सेवा का भाव रखते हुए स्वानुशासित, चिंतनशील ,संयमी ,परिवार व् समाज के प्रति उत्तरदायी बनने व कर्त्तव्य परायण होने के साथ अधिकारों का दुरुपयोग न करने का आह्वान किया। कम्युनिटी आई सेंटर के मेडिकल डायरेक्टर डॉ अरुण शर्मा जी ने युवा को अपने कैरियर के साथ सामाजिक दायित्व निभाने के लिए प्रेरित किया । देश मे अभिशाप के रूप में व्याप्त अंधता निवारण के लिए नेत्रदान के प्रति लोगों को जागरूक होने पर बल दिया । गाइड समाज कल्याण संस्थान के हृदय नेत्रदान संकल्प पत्र के डिजिटल रूप को के जी एम यू की वेबसाइट से जोड़ते हुए उन्होंने संस्था के सेवा कार्यो की सराहना की । संस्था के यूथ ब्रिगेड के अध्यक्ष शाश्वत सुभाष ने उन्हें शैक्षिक संस्थानों के विद्यार्थियों द्वारा भरे गए नेत्रदान संकल्प पत्र सौंपे ।

अनुभवी वैज्ञानिक व वरिष्ठ रंगकर्मी डॉ अनिल रस्तोगी ने युवा पीढ़ी को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदार बनने व सौ फीसदी मतदान करने के साथ सदैव सृजन शील रहने के लिए प्रेरित किया तभी हम विवेकानंद को सच्चे अर्थों में नमन कर सकते हैं।

युवा व्यंग्यकार श्री पंकज प्रसून जी ने काव्यपाठ कर युवायों सदैव सकारात्मक ऊर्जा के साथ जीने का मंत्र दिया। कार्यक्रम में केजीएमयू के विद्यार्थियों व संस्था के कर्मठ सदस्यों ने सहभागिता दी ।

ये युवा हुए सम्मानित

स्वामी विवेकानन्द युवा सम्मान 2021

डॉ. प्रियंका शर्मा एम एस सर्वश्रेष्ठ अंक (नेत्र सर्जन केजीएमयू)

कु. उषा विश्वकर्मा (रेड ब्रिग्रेड)

अल्कोहोलिक एनॉनिमस, मद्यपान निषेध के क्षेत्र में संकल्प के साथ सेवा रत ¬ श्री राजीव .एस एवम संस्था के सदस्य

उज्ज्वल निगम ट्रॉफी - निर्धन वर्ग के होनहार छात्र को समर्पित

कु. महक सिंह (कक्षा 10 केंद्रीय विद्यालय)

सेवा रत्न सम्मान 2021

ए पी सिंह (लावारिस लाशों के प्रति आदर भाव रखते हुए अंत्येष्टि करना)

डॉ अरुण शर्मा, वरिष्ठ नेत्र सर्जन व मेडिकल डायरेक्टर केजीएमयू कम्युनिटी आई बैंक (नेत्रदान जागरूकता के प्रति समर्पित)

नेत्रदान के प्रति सतत जागरूकता कार्य

डॉ सरोज ठाकुर

शाश्वत सुभाष

वरिष्ठ जन सेवा सम्मान

कु. उमा सिंह चौहान, कांस्टेबल यूपी पुलिस वरिष्ठ नागरिक सहायता प्रकोष्ठ, जेसीपी कार्यालय (वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं के आंकड़े के समुचित रूप में संकलन हेतु सतत प्रयास एवम समर्पित भाव)।

साप्ताहिक राशिफल

मेष

इस सप्ताह मेष राशि वालों को निवेश या उधार आदि के लिए सतर्कता रखनी होगी. अनुभवहीन की सलाह या लालच में आकर कोई भी निर्णय करना खतरनाक हो सकता है. प्लानिंग के दौरान वरिष्ठों के साथ वैचारिक मतभेद से बचें. नौकरी से जुड़े लोग समय के सही इस्तेमाल के लिए सजग रहें. कार्यस्थल पर वरिष्ठों के गुस्से का शिकार बन सकते हैं. कारोबार कर रहे लोगों को सप्ताह की शुरुआत में नया काम शुरू करने से बचना चाहिए. नुकसान की आशंका है. हेल्थ को लेकर खानपान संतुलित और मौसम के अनुकूल रखें. जंक या फास्ट फूड से परहेज रखें. अनुजों से अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है, घर में सबके साथ अच्छा तालमेल रहेगा, मन शांत और सप्ताह सुखद बीतेगा.

वृष

यह सप्ताह विशेषकर कारोबार या कार्यस्थल पर सहकर्मियों के साथ कंपटीशन वाला रह सकता है, तो वहीं कई परिश्रम के बाद ही सफलता या सम्मान मिलेगा. लेन-देन संबंधी विवाद भी सप्ताह मध्य तक उभर सकते हैं. कारोबारी अपने हिसाब किताब में पारदर्शी बनाए रखें, अन्यथा कानूनी कार्रवाई की चपेट में आ सकते हैं. अपनी पूंजी को बहुत संयमित तरीके से प्रयोग करने की जरूरत है. रियल स्टेट का काम करने वालों को लाभ होगा. स्वास्थ्य को लेकर स्थितियां फिलहाल सचेत रहने वाली हैं. शुरुआती कुछ दिन खान-पान में लापरवाही परेशानी खड़ी कर सकती है. रिश्तेदारों और करीबियों के साथ तालमेल बनाकर चलें. कहीं घूमने की प्लानिंग भी बन सकती हैं मगर मौसम के अनुरूप दूरी वाले डेस्टिनेशन ही चुनें.

मिथुन

इस सप्ताह अपनी समीक्षा करते हुए भूल और गलतियों को सुधारने के लिए काम करने का है. कामकाज में बेहतर प्रदर्शन के लिए ठोस कार्ययोजना के साथ आगे बढ़ना बेहतर होगा. नौकरी कर रहे लोगों के लिए यात्रा का योग बन रहा है. धातु और दवा का कारोबार करने वालों को स्टॉक मेनटेन करने की जरूरत है, ध्यान रखें कि वैरायटी देकर ही ग्राहकों को रिझाया बढ़ सकता है, अन्यथा पुराने और भरोसेमंद कस्टमरों को भी मुंह मोड़ देर नहीं लगेगी. विद्यार्थी कलात्मक विषयों में बेहतर प्रदर्शन करेंगे, इसलिए कठिन सिलेबस पर फोकस ब?ाना होगा. थकान और सुस्ती हावी रह सकती है, जिससे तनाव बढ़ेगा. अपने व्यवहार को लेकर सतर्क रहें. परिवार के लोग आपसे नाराज हो सकते हैं.

कर्क

इस सप्ताह के शुरुआत में काफी ऊर्जावान नजर आएंगे तो वहीं सप्ताह के मध्य में कुछ आलस्य रहेगा. आर्थिक लाभ को लेकर सजग रहें. बड़े मुनाफे के लिए जोखिम भरे कार्य करने से बचें. इस सप्ताह करियर से जुड़े कुछ अच्छे समाचार सुनने को मिल सकते हैं. जो लोग मार्केटिंग या फील्ड वर्क में रहते हैं, उनको टारगेट पूरा करने के लिए समय उपयुक्त है. कैश बैक जैसी योजनाओं का लाभ मिल सकता है. व्यापारिक मामलों में पार्टनरशिप वाले व्यापार अच्छे चलते नजर आएंगे. जो लोग शुगर पेशेंट है, वह सप्ताह के अंतिम दिनों में अधिक परहेज करें. पिता और बड़े भाई के साथ ताल-मेल बनाने से उनका सहयोग मिलेगा. रिश्तों में बेवजह की शंका को स्थान न दें.

सिंह

इस सप्ताह हर परिस्थिति में आप संयमित और कुशल प्रशासक नजर आएं. ऐसा करने से आपके बिग? काम भी बन सकते हैं. सरकारी अ?चनें व पेडिंग कार्य पूरे होते दिख रहे हैं. शोध कार्यों में लोगों के लिए लाभ की संभावनाएं हैं. कारोबारियों को प्रतिष्ठान को विस्तार देने का मौका है. ग्राहकों की पसंद के मुताबिक स्टॉक मेनटेन करें. सेहत के लिए सप्ताह बहुत चिंताजनक नहीं रहने वाला है. घरेलू मामलों में समझदारी से काम लेने की जरूरत है. परिवार में बेहतर प्रबंधन के लिए सराहना मिलेगी. किसी भी मामले में निर्णय लेते समय असमंजस में हैं तो घर के बढ़े और बुजुर्गों की सलाह से काम लेना कारगर होगा. अपनी हित से जुड़े विषयों पर मजबूती से पक्ष रखें.

कन्या

इस सप्ताह में परिश्रम का परिणाम मनमुताबिक और जल्दी मिलने वाला होगा. ध्यान रखें कि कार्यस्थल पर खुद को सर्वश्रेष्ठ साबित करने के लिए अधिक काम करना पढ़ सकता है. टीम को भी एकजुटता के साथ काम करने के लिए प्रेरित करें. सप्ताह मध्य तक किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर वरिष्ठ की सलाह बेहद कारगर होगा. बड़े व्यापारियों के लिए सप्ताह अंत तक रुका धन लौट सकता है. फाइनेंस से संबंधित कारोबार कर रहे हैं लोग सजग रहें. अभिभावकों को छोटे बच्चों की पढ़ाई और संगत पर भी ध्यान देने की जरूरत है. हेल्थ में गिरकर हड्डी में चोट लगने की आशंकाएं प्रबल नजर आ रही है. पुरानी बीमारियों में राहत रहेगी. विवाह के लिए भी रिश्ता आ सकता है.

तुला

इस पूरे सप्ताह छोटी-छोटी परेशानियां आपके मार्ग में बाधक बन सकती हैं. ऐसे में इन्हें बहुत गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है. कई दिनों से पेंडिंग काम है यदि नहीं पूरा हो पा रहा था तो उसे इस सप्ताह इसे निपटाने से तनाव खत्म होगा. अभिनय-कला क्षेत्र से जुड़े लोगों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा. जो लोग कॉस्मेटिक का कारोबार कर रहे हैं, उनके लिए भी लाभ की स्थिति बन रही है. सेहत के लिए सप्ताह अनुकूल नहीं है, तबीयत खराब रहने की आशंका अधिक है. बाहर की तलीभुनी और मसालेदार चीजों से परहेज रखें. पिता के स्वास्थ्य को लेकर सजगता बरतें, अगर वह साथ नहीं रहते हैं तो फोन पर जरूर उनसे हाल-चाल लेते रहें.

वृश्चिक

इस पूरे सप्ताह नौकरी या कारोबार में रुचि और बढ़ाने की जरूरत है. कोई भी काम बे-मन से न करें, अन्यथा जो काम आप कर सकते हैं वह भी पूरा नहीं हो सकेगा. सप्ताह के मध्य में उच्चाधिकारीयों से तनाव की स्थिति हो सकती है. अगर काम को लेकर आपसे कुछ नाराजगी भरे शब्द बोलते हैं तो जवाब विनम्रता से दें. विदेशी सामानों की बिक्री करने वालों को अच्छा लाभ मिलेगा. हेल्थ को लेकर वाहन दुर्घटना के प्रति सजग रहें और यातायात नियमों का पालन करें. सप्ताह में कुछ दिन अगर घर-परिवार के साथ बिताने का मौका मिलता है तो जरूर लाभ उठाएं. पैतृक संबंधित मामलों को सुलझा सकते हैं. परिवार में सभी से स्नेह और प्रेम बना रहेगा.

धनु-

इस सप्ताह नेटवर्क बढ़ाने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन रही हैं. आर्थिक स्थिति मजबूत बनाए रखने के लिए बचत की आसान तरीका खोजना होगा. ऑफिसियल काम में और फोकस ब?ाना होगा, तो वहीं निस्संदेह काम का बोझ भी बढ़ेगा. समय का पूरा इस्तेमाल करें. उच्च अधिकारियों के सामने छवि खराब कर देगा. व्यापारियों को विदेशी निवेशक के साथ बढ़ी डील मिलने की उम्मीद है. कागजी कार्रवाई को लेकर सतर्कता बनाए रखें. विद्यार्थियों के लिए कंबाइंड स्टडी लाभप्रद रहेगी. सेहत में मांसपेशीय या नसों से संबंधित परेशानियों के लिए अलर्ट रहना होगा. कमजोरी से अचानक स्वास्थ्य में गिरावट हो सकती है. पारिवारिक सदस्यों को सेहत के मामलों में सजग रहने की सलाह दें.

मकर

इस सप्ताह मन को तनाव से बचाते हुए परिवार की देखभाल और खुशहाली के लिए काम करने की जरूरत है, तो वहीं दूसरी ओर आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने के लिए आय के स्रोत बढ़ाने पर भी ध्यान देना होगा. मगर कोई भी गैरकानूनी काम में खुद को शामिल न करें. अजनबी व्यक्ति आपको भावुक कर सीक्रेट बातों को जानना चाह सकता है, इसलिए मानसिक दृढ़ता दिखाना जरूरी है. व्यापारिक मामलों में लापरवाही करना ठीक नहीं होगा. युवा अपने विचारों को शुद्ध रखें. विद्यार्थी पढ़ाई के महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर लापरवाही न बरतें. सेहत के लिए सप्ताह तनावपूर्ण हो सकता है. कमर और गर्दन में दिक्कत रहेगी. दवा से अधिक व्यायाम आपके लिए फायदेमंद होगा.

कुम्भ

इस सप्ताह जहां एक ओर साल के अंतिम दिनों में सेलिब्रेशन का दौर काम के तनाव से राहत देगा, तो वहीं सर्वोत्तम परिणाम पाने के लिए मन शांत और आत्म केंद्रित करने की जरूरत है. नौकरीपेशा से जुड़े लोगों को शुरुआती दिनों में बॉस की बातों को आंखमूंदकर पालन करना होगा. ऑफिस में काम के दौरान कोई भी नियम न तोड़ें. जो लोग गिफ्ट आइटम या डेकोरेशन से जुड़े सामान का बिजनेस करते हैं, वह इस समय अच्छा मुनाफा पाएंगे. विद्यार्थियों को पढ़ाई पर फोकस बढ़ाने की जरूरत है, समय अच्छा है जल्द सफलता मिल सकती है. स्वास्थ्य में जिन लोगों का अभी ऑपरेशन हुआ है, उन्हें अलर्ट रहने की जरूरत है. घर में धार्मिक अनुष्ठान की कार्ययोजना बनेगी.

मीन

बीते सप्ताह के कई जरूरी काम पूरे नहीं हो पाए हैं तो अतिरिक्त समय निकालकर उसे हरहालत में पूरा कर लें. कामकाज में कोई गलती होती है तो किसी एक व्यक्ति को जवाबदेह ठहराते हुए पल्ला न झाड़ें. खुद भी इसके निदान के लिए आगे बढ़कर प्रयास करें. सीनियर कामकाज की जांच भी करवा सकता है. कारोबारियों को ग्राहकों से बातचीत के दौरान सहज रहने की जरूरत है. विद्यार्थी पढ़ाई के अलावा इधर-उधर की बातों में मन आएंगे. मौसम और महामारी को देखते हुए बेवजह घर से बाहर निकलने की योजना न बनाएं. नियमों का पालन कर खुद को और परिवार को सुरक्षित रखें. करीबी रिश्तों में दूरियाँ उभर सकती है, थोड़ा संयम के साथ रहने की जरूरत होगी.

अगर तुम सूरज की तरह चमकना चाहते हो तो पहले सूरज की तरह जलो।
– अब्दुल कलाम आजाद

अवध की नगरी में आज से दिखेगा पहाड़ की संस्कृति और परम्परा का अनूठा दृश्य

पर्वतीय महापरिषद द्वारा उत्तराखण्ड का पौराणिक, ऐतिहासिक एवं धार्मिक पर्व उत्तरायणी कौथिग-2021

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। पहाड़ की संस्कृति और परम्परा का अनूठा दृश्य उत्तरायणी कौथिग -2021 में बखूबी देखा जा सकेगा। बात चाहे पर्वतीय स्वाद की हो या परिधान और नृत्य कला की, सभी कुछ भारत रत्न पं0 गोविन्द बल्लभ पंत पर्वतीय सांस्कृतिक उपवन गोमती तट पर अनुभव किया जा सकेगा। पहाड़ी समुदाय के साथ ही अन्य लोग भी मेले में शिरकत कर मनोरंजन कर सकेंगे। 14 जनवरी को उत्तरायणी कौथिग का शुभारंभ होगा।

महापरिषद के अध्यक्ष गणेश चन्द्र जोशी ने बताया उत्तरायणी कौथिंग के प्रथम दिवस अपराह्न में कौथिग का उद्घाटन उप्र के उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा के द्वारा व सांयकालीन सत्र का उद्घाटन राज्यपाल आनन्दी बेन पटेल के कर कमलों से किया जायेगा। 17 जनवरी को मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उपस्थित रहेगें। मुख्य संयोजक टी एस मनराल ने बताया कि उत्तरायणी का पर्व पर्वतीय समाज का मुख्य पौराणिक एवं धार्मिक पर्व है, उत्तरायणी कौथिग का आयोजन विगत कई वर्षो से पर्वतीय समाज लखनऊ में करता आ रहा है। उन्होने बताया कि 14 जनवरी को उत्तरायणी कौथिग भव्य शोभा यात्रा के साथ महानगर रामलीला पार्क के प्रारम्भ होगी जो गोलमार्केट, निशातगंज ओवर ब्रिज होते हुए वीरबल शाहनी मार्ग होते हुए कार्यक्रम स्थल पर अपराह्न 2 बजे पहुँचेगी। शोभा यात्रा में रथों पर महंत दिव्यागिरी अन्य कई सन्त महात्मा ,पर्वतीय महापरिषद द्वारा पर्वत गौरव से सम्मानित गणमान्य व्यक्ति, समाज के प्रतिष्ठित व्यक्ति, विराजमान होगे। इसी क्रम में मां नन्दा राज यात्रा की झांकी, सेना के भूतपूर्व सैनिक को टीम, कुली बेगार प्रथा के शताब्दी वर्ष पूर्ण होने पर एक झांकी के माध्यम से दिखने का प्रर्यास किया जायेगा। इसके साथ -साथ उत्तराखण्ड का सुप्रसिद्ध छोलिया दल व पर्वतीय परिधानों में विशाल जन समूह में महिलाये, बुजुर्ग बच्चें युवा सहित कई लोग शोभा यात्रा की शोभा बढायेगें।

संस्कृति परंम्पराओं से नयी पीढी को रूबरू होने का अवसर- महेन्द्र सिंह रावत महासचिव महेन्द्र सिह रावत ने बताया कि उत्तरायणी कौथिंग पर्वतीय संस्कृति व आस्था का पर्व है।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में दिखेगी विभिन्न राज्यो की झलक

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रत्येक दिन शाम 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक आयोजित किये जायेगें।जिसमें विभिन्न राज्यो की संस्कृतिक दलो के द्वारा झलक मंच के माध्यम से दिखने को मिलेगी, इस बार उत्तराखण्ड के जानेमाने सुप्रसिद्ध लोक गायक व पदमश्री प्रीतम भरतवाण की उत्कृष्ट जागर गायन शैली ढोल-दमुवा व हुडुके व परंम्परागत वाद्ययों के साथ सुनने का आनन्द लेने के साथ साथ विभिन्न प्रदेशों के आये हुए सांस्कृतिक दलों पंजाब, हरियाणा, आसाम, भोजपूरी सहित कई सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी देखने को मिलेगी। इस बार कौथिग स्थल पर विभिन्न राज्यो के 150 सौ से ज्यादा स्टालस लगाये गये है।

वार्षिक पत्रिका पर्वत संदेश का होगा विमोचन

संयोजक के एन चन्दोला ने बताया कि पर्वतीय महापरिषद की वार्षिक पत्रिका पर्वत संदेश का विमोचन भी किया जायेगा। पर्वतीय महापरिषद पर्वत गौरव सम्मान एवं वीर चन्द्रसिह गढवाली वीरता सम्मान से कई भूतपूर्व सौनिको व शहीद सैनिंको के परिजनों को यह सम्मान के साथ दिया जायेगा।

पर्वतीय महापरिषद ने मनाया राष्ट्रीय युवा दिवस

लखनऊ (क्राइम रिव्यू)। पर्वतीय महापरिषद ने 12 जनवरी राष्ट्रीय युवा दिवस को महापरिषद के उपाध्यक्ष एवं युवा प्रकोष्ठ के संयोजक मोहन सिह बिष्ट मोना के देख रेख में बडे हर्षो उल्लास के साथ मनाया। उन्होने उपस्थित नव जवानों को बताया कि हमें अपने कार्य के प्रति वचन बध होना चाहिए। हमें स्वामी विवेकानन्द के आदर्शो पर चलना होगा। जिससे कि एक अच्छे व स्वच्छ समाज व राष्ट्र का निर्माण हो सके। इस अवसर पर कई गनमान्य व्यक्ति संरक्षक एन के उपाध्याय,मुख्य सलाहाकार बी एस रावत, संरक्षक डी डी नारियाल, प्रो0 आर सी पंत, राजेन्दं सिह रावत, ज्ञानपंत, के एन पाठक, गोविन्द पाठक उपाध्यक्षा सुमन सिह रावत, गंगा भटट,सुमन मनराल, के एस रावत जीवन ज्योति पाण्डेय, सुनील किमोठी रविन्द बिष्ट, गोपाल सिह गैलाकोटी, गोपाल दत्त गरवाल, गणेश जोशी एडवोकेट, महेन्द्र पंत, आनन्द सिह भण्डारी, के एन चन्दोला, शंकर पाण्डेय, भुवन पाण्डेय,चन्द्रशेखर तिवारी, रमेश उपाध्याय, के सी पंत, बसन्त भटट, सुन्दर पाल सिह, गोपाल दत्त जोशी, मोहन भटट, प्रशांत भण्डारी, के एन पाण्डेय, जितेन्द्र उपाध्याय अन्य मौजूद रहे।

जागरूकता के लिए सम्मानित हुई हस्तियां

कार्यक्रम में जागरूकता फैलाने वाली अनामिका, परिणीता त्रिवेदी, शालिनी श्रीवास्तव, अनिता सिंह, चित्रांशी, चेतना द्विवेदी, दीपिका, रीता पांडे, शालिनी बिलोनिया, अनुपमा श्रीवास्तव, सत्या द्विवेदी, संतोष, सेल सचान, सुमन शुक्ला, रुचि अरोड़ा, पलक नंदवानी, आराधना प्रवीण, शैलेंद्र कुमार, सुवर्णा, पुनीता को विशिष्ट सम्मान से सम्मानित किया गया।

हर शोषित को न्याय दिलाकर ममता देना चाहती है ममता

समाजसेवा

सामाजिक संस्था बाल महिला सेवा संगठन का गठन कर स्वच्छ सुंदर विकसित व अपराध मुक्त फैजुल्लागंज का लिया संकल्प

विनीत पाण्डेय

लखनऊ (क्राइम रिव्यू)। शहर की सबसे बड़ी मलिन बस्ती फैजुल्लागंज क्षेत्र में लोगों को स्वच्छता का पाठ पढ़ाना हो या यहाँ की मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष करना, ममता त्रिपाठी इन मामलों में सबसे आगे रहती हैं।उनके संघर्षों का ही नतीजा है कि बरसों से जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों की अनदेखी झेल रहे फैजुल्लागंज इलाके में अब विकास कार्य नजर आने लगे हैं। ममता बताती हैं कि वर्ष 2016 में फैजुल्लागंज क्षेत्र में डेंगू फैल गया और इसकी चपेट में आने से 67 लोगों की असमय मौत हो गई। इन मौतों ने उन्हें झकझोर कर रख दिया। तब उन्होंने सामाजिक संस्था बाल महिला सेवा संगठन का गठन कर स्वच्छ सुंदर विकसित व अपराध मुक्त फैजुल्लागंज के संकल्प लिया। आज वह सैकड़ों लोगों को जोड़कर जनभागीदारी के साथ कार्य कर रही है। लोगों को संक्रामक बीमारियों से बचाने के लिए पेशे से निजी विद्यालय में टीचर ममता त्रिपाठी स्वच्छ फैजुल्लागंज अभियान चला रही है। अभियान में अब तक 4000 से अधिक लोग जुड़ चुके हैं।

प्रतिदिन दर्जनों नागरिक समस्याओं का कराती हैं समाधान

मलिन बस्ती फैजुल्लागंज क्षेत्र में जहां नागरिकों की कोई सुनवाई नहीं करता है। वहां पर गंदगी, चोक सीवर, मार्ग प्रकाश, बिजली पेयजल आदि से जुड़ी जन समस्याओं का समाधान ममता त्रिपाठी पूरी तत्परता के साथ करा रही है। आलम यह है कि फैजुल्लागंज की चारों वार्डों से जुड़ी जनसमस्याओं को नागरिक पार्षदों से ना कह कर सीधे बाल महिला सेवा संगठन से कहते हैं ।

समाज सेवा में पति व बेटी-बेटा भी करते हैं सहयोग

ममता त्रिपाठी के पति सन्तोष त्रिपाठी एक निजी स्कूल संचालित करते हैं। बेटी मुस्कान व बेटा आनन्द त्रिपाठी अभी पढ़ाई कर रहे हैं। पति व दोनों बच्चे भी सामाजिक कार्यों में ममता त्रिपाठी का सहयोग करते हैं। सन्तोष बताते हैं कि लोगों के प्रति सेवा भावना देखकर वह भी उनके साथ कदम मिलाकर चलने लगे। कई बार यह भी स्थिति बन गई कि बच्चों को घर में बन्द करके भी जाना पड़ जाता था।

बिना पुलिस हस्तक्षेप के पारिवारिक कलहो का कराती हैं समाधान

एक तरफ जहां पारिवारिक कलह से जुड़ी छोटी छोटी बातें थाना - कचहरी तक पहुंच जाती हैं, वहीं बाल महिला सेवा संगठन की अध्यक्ष ममता त्रिपाठी घरेलू हिंसा पारिवारिक कलह से पीड़ित महिलाओं की मदद करती है। किसी महिला की परेशानी का पता लगने पर वह अपनी टीम के साथ पहुंचकर पति पत्नी दोनों को समझाती है। यही नहीं, वह प्रकरण की निगरानी भी करती हैं जिससे समस्या वही खत्म हो जाए। उनका मानना है कि अधिकांश पारिवारिक समस्याओं को बातचीत करके सुलझाया जा सकता है। दर्जनों पारिवारिक विवादों को बिना पुलिस हस्तक्षेप के ममता त्रिपाठी व उनकी टीम ने मिलकर बखूबी सुलझा चुकी है। साथ ही ममता त्रिपाठी फैजुल्लागंज क्षेत्र में महिलाओं को स्वावलंबी बनाने व लड़कियों की पढ़ाई के लिए अभियान चला रही हैं।

किसानों को मिलेगा सरकारी योजनाओं का लाभः जय देवी

लखनऊ (क्राइम रिव्यू)। मलिहाबाद ब्लॉक कार्यालय पर किसान कल्याण मिशन के अंतर्गत किसान मेला गोष्ठी एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमे विधायक जय देवी कौशल ने कहा कि किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा।मेले में कृषि संबंधित जानकारी के साथ फसल प्रदर्शन, कीटनाशक के बारे में जानकारी दी।

खंड विकास अधिकारी संस्कृता मिश्रा ने बताया कि स्वयं सहायता समूह के द्वारा उत्पाद के साथ-साथ रोजमर्रा की सामग्री बनाने पर जोर दिया। इसी क्रम में ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अनिल सिंह चौहान ने सरकार की किसान सम्मान निधि योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

किसान मेले में क्षेत्र के कई सामाजिक संस्थाओं के साथ-साथ सिंचाई विभाग उद्यान विभाग,पशुपालन विभाग,कृषि विभाग एवं विभिन्न स्वयं सहायता समूह के स्टाल लगाए गए। विभाग के सभी क्षेत्रीय कर्मचारी घनश्याम सिंह प्रभारी बीज भंडार, रामकेश मीणा प्रभारी कृषि रक्षा इकाई ,प्रदीप कुमार, जनार्दन प्रसाद ,लवकुश कुमार ,राकेश कुमार प्राविधिक सहायक एवं माधवेंद्र सिंह चौहान बीटीएम एवं विमल कुमार सिंह व चक्रेश एटीएम उपस्थित रहे।

सशक्त बनने के लिए लक्ष्य साधना सीखे महिलाएं : संयुक्ता भाटिया

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। स्त्री वेलफेयर फाउंडेशन ने बुधवार को कानपुर रोड स्थित राम-राम पार्क में तहरी भोज व कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में करीब 5 सौ से अधिक जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किया। इस मौके पर अतिथि के रूप में महंत दिव्या गिरी मनकामेश्वर मंदिर, महापौर संयुक्ता भाटिया, हिंद नगर पार्षद नेहा सौरभ सिंह रही।

कार्यक्रम में महापौर भाटिया ने महिलाओं को अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अडिग रहने की सलाह देते हुए कहा कि यदि महिलाएं सशक्त बनना चाहती है तो अपने लक्ष्य को साधना सीखें। यदि उनका लक्ष्य से ध्यान भटकता है उन्हें लक्ष्य प्राप्ति में कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। एक आवाज एक मिशन के संस्थापक व संयोजक राकेश तिवारी, डॉ एसके श्रीवास्तव ने संस्था के कार्य में अपना मार्गदर्शन देने का आश्वासन दिया। संस्था की अध्यक्ष नीलू त्रिवेदी ने कहा कि समाज के प्रति लोगों के अंदर सेवा भाव जागृत करना ही इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है यदि हम सभी जागरूक होकर यथासंभव जरूरतमंद लोगों को मदद देने का संकल्प लें और एक-एक कंबल वितरण करें तो इस ठंड के प्रकोप का कोई भी व्यक्ति शिकार नहीं होगा। इस मौके पर संस्था की उपाध्यक्ष शशी पांडे, प्रभारी सौम्या सिन्हा, अंशिका शुक्ला, प्रवीणा भूषण, सुनीता पांडे, परिणीता त्रिवेदी, शालिनी श्रीवास्तव,अर्चना अरुण उपस्थित रही।

लोहड़ी में गिद्दा नृत्य की मनोरम छटा बिखरी

क्राइम रिव्यू

लखनऊ। फिर आ गयी भांगड़े दी वारी, लोहड़ी मनोन दी करो तैयारी आग दे कोल सारे आओ ÷सुंदरिये मुंदरीए÷ जोर नाल गाओ.... गीत पर जलती हुई आग के चारों ओर जब महिलाओं और युवतिवो ने भांगड़ा नृत्य प्रस्तुत किया तो माहौल कुछ रूमानी सा हो गया। यह खूबसूरत दृश्य था आज देर शाम फरीदी नगर लखनऊ स्थित उड़ान संस्था के प्रांगण का, जहां उड़ान के तत्वावधान में उड़ान लोहड़ी उत्सव का आयोजन किया गया था।

उत्सव में अग्नि की परिक्रमा करते हुए

महिलाओं ने ढोलक की थाप पर पारंपरिक लोहड़ी गीत दुल्ला भट्टी वाला, सानू दे लोहड़ी,तेरी जीवे जोड़ी जैसे अन्य पंजाबी गीतों पर सरिता सिंह, सीमा राय, सुमन यादव, शिल्पी गुप्ता ,आभा श्रीवास्तव , गिरीश गौतम, नीतू ,पिंकी , शिखा, शर्मीला, पूजा गुप्ता ,भारती, सविता, रिंकू, हेमलता, वंदना यादव, आराधना, प्रतिभा, बीनू ,, नेहा तिवारी, रचना , बबिता , नीलम श्रीवास्तव ,प्रिया पांडेय, दामिनी, वर्तिका, नमिता, प्रतिभा, प्रतिमा, नंदनी , अधीरा, शिविका, स्वरा , गुन्जन, मिस्ठी सहित अन्य महिलाओं व युवतियों ने भांगड़ा नृत्य के साथ गिद्दा नृत्य प्रस्तुत कर आकर्षक छटा बिखेरी। समारोह में महिलाओं व युवतियों ने गजक, रेवड़ी, गुड़,मक्का, मिश्री, मूंगफली आदि को जलती हुई अग्नि को भेंट की और सभी को यह प्रसाद के रूप में बांटा। उड़ान संस्था की संस्थापक सरिता सिंह ने बताया कि लोहड़ी का पर्व सुख शांति और खुशहाली का पर्व है जिसे हम सब को एक साथ मिल जुलकर मनाना चाहिए।

यहियागंज गुरुद्वारा में लोहड़ी उल्लास के साथ मनाया गया

लखनऊ (क्राइम रिव्यू)। यहियागंज गुरुद्वारा में लोहड़ी का पर्व बुधवार को श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाया गया। डॉ. गुरमीत सिंह ने सभी को बधाई दी। इस अवसर पर गुरुद्वारा साहिब में विशेष दीवान सजाए गए। छत के ऊपर 8:30 बजे लोहडी जलाई गई और विशेष रूप से मिष्ठान प्रसाद एवं रेवड़ी का प्रसाद बांटा गया।

गुरुद्वारा सचिव मनमोहन सिंह हैप्पी ने बताया कि लोहड़ी के पीछे एक एतिहासिक कथा भी हैं जिसे दुल्ला भट्टी के नाम से जाना जाता हैं। यह कथा अकबर के शासनकाल की हैं उन दिनों दुल्ला भट्टी पंजाब प्रान्त का सरदार था, इसे पंजाब का नायक कहा जाता था। उन दिनों संदलबार नामक एक जगह थी, जो अब पाकिस्तान का हिस्सा हैं. वहाँ लड़कियों की बाजारी होती थी. तब दुल्ला भट्टी ने इस का विरोध किया और लड़कियों को सम्मानपूर्वक इस दुष्कर्म से बचाया और उनकी शादी करवाकर उन्हें सम्मानित जीवन दिया। इस विजय के दिन को लोहड़ी के गीतों में गाया जाता हैं और दुल्ला भट्टी को याद किया जाता हैं।इन्ही पौराणिक एवम एतिहासिक कारणों के चलते पंजाब प्रान्त में लोह?ी का उत्सव उल्लास के साथ मनाया जाता है। पंजाबियों के विशेष त्यौहार हैं लोहड़ी जिसे वे धूमधाम से मनाते हैं।

टैक्स फ्री ने दर्शकों को किया लोटपोट

लखनऊ (क्राइम रिव्यू)। जीवन के पल को खुलकर जीना ही असली जीवन है। कुछ ऐसा ही पॉजिटिव जीवन जीने का मैसेज देता नजर आया कॉमेडी नाटक टैक्स फ्री। बाल्मीकी प्रेक्षागृह,संगीत नाटक अकादमी , गोमती नगर में संस्था विजय बेला एक कदम खुशियों की ओर के कलाकारों ने कॉमेडी नाटक टैक्स फ्री के मंचन से दर्शकों को हंसने पर तो मजबूर किया ही साथ ही जिंदगी की लाचारियों से आगे बढ़कर जीवन के हर लम्हे को छोटी-छोटी खुशियों से समेटकर हर पल का लुत्फ उठाने का भी मैसेज दिया। नाटक का लेखन चन्द्रशेखर फणसालकर एवं निर्देशन चन्द्रभाष सिंह ने किया।

टैक्स फ्री नाटक मूल रूप से एक मराठी नाटक है जोकि चंद्रशेखर फणसलाकार द्वारा लिखा गया है। नाटक टैक्स फ्री अंधों के जीवन पर आधारित एक हास्य नाटक है। नाटक में कांताबाई नाम की महिला अंधों के मनोरंजन हेतु ब्लाइंड्स क्लब चलाती है ,उस क्लब में पहले से मौजूद सदस्य शर्मा जी,कोहली ,दीपू नए सदस्य सदाशिव काले के साथ गंभीर मजाक करते हैं की अंधों की बली बाबा भैरव नाथ को देने से उनका अंधापन दूर हो जाएगा। इसीलिए उन सब ने मिलकर ब्लाइंड्स क्लब की स्थापना की। उससे पहले 2 बली दी जा चुकी है और काले तीसरा है जिसकी आज बली दी जाएगी। ये सुनकर काले घबराकर क्लब से भागने को तैयार होता है, फिर सभी बताते हैं कि यह सब क्लब को रोमांचित बनाए रखने के लिए किया गया है। जीवन यात्रा के मध्य में अपनी आंखों की रोशनी खो जाने का दर्द भी दिखाई देता है एवं मुश्किल हालातों में भी अपनी जिंदगी को कैसे बेहतर जिया जाए यह भी दिखाते हैं।

नाटक के माध्यम से कलाकार दिखाते हैं कि वह अंधे होकर भी अपनी जिंदगी को कितनी बेहतर तरीके से जी रहे हैं, परंतु कुछ लोग अपनी छोटी-छोटी समस्याओं से हार कर आत्महत्या कर लेते हैं जो कि कितनी गलत बात है। कलाकार यह भी दिखाते हैं कि आज तक बहुत कम सुनने को ऐसा मिलता है कि किसी अंधे ने या किसी दिव्यांग ने आत्महत्या की। नाटक के माध्यम से कलाकारों ने यह भी दिखाने का प्रयास किया है कि हमें इन दिव्यांगों से सीख लेनी चाहिए की मुश्किल हालातों में भी यह कितनी खुशनुमा जिंदगी गुजारते हैं।

सम्पादक–हेमन्त कुमार मिश्रा

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक हेमन्त कुमार मिश्रा द्वारा पिन वर्क पब्लिकेशन हाउस, दादाबाड़ी कम्पाउन्ड ठाकुरगंज, लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न किसी प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद लखनऊ न्यायालय होगा। इस अंक में प्रकाशित समाचारों में किसी प्रकार की आपत्ति होने पर सात दिन के अंदर खंडन भेजें अन्यथा समाचार सत्य माना जाएगा: संपादक। e-mail: crimereview2012@gmail.com, Mobile: 9454552222